सूक्ति-सागर-3

सूक्ति-सागर-3

डॉ. नरेश अग्रवाल

प्रकाशन संस्थान
नयी दिल्ली-110002

प्रकाशक
प्रकाशन संस्थान
4268-B/3, अंसारी रोड, दरियागंज
नयी दिल्ली-110 002

© डॉ. नरेश अग्रवाल

मूल्य : 000.00 रुपये
प्रथम संस्करण : सन् 2016
ISBN : 978-81-7714-----
आवरण : जगमोहन सिंह रावत

शब्द-संयोजन : कम्प्यूटेक सिस्टम, दिल्ली-110032
मुद्रक : बी. के. ऑफसेट, दिल्ली-110032

अ

अंकुश

- अपने ऊपर स्वयं का लगाया अंकुश ही काम आता है न कि दूसरों का।

अंधकार

- अप्रकाशित चीजें केवल अंधकार को धारण किये रहती हैं।

अंधेरा

- जिनकी जिन्दगी में केवल अंधेरा है, उन्हें सुन्दर सपने भी डरावने लगते हैं।
- जीवन का अंधेरा इनसान को अपनी गुफा से आसानी से नहीं निकलने देता।
- रात से अधिक भयानक अंधेरा किसी भी अभावग्रस्त के मन में होता है।

अंधविश्वास

- मनुष्य के जीवन में अंधविश्वास कम हो सकते हैं, पूरी तरह से खत्म कभी नहीं।
- अंधविश्वास उन्हीं के माध्यम से अधिक फैलता है, जो इसके सहारे अपना व्यापार चलाते हैं।

अंधकार

- अंधकार के करीब अगर दीये का उजाला भी पहुँचा दें तो वह लुप्त हो जाएगा।

अहंकार

- अहंकार के त्याग के बाद ही किसी से मित्रता हो सकती है।
- अहंकार टूटने पर ही मन अपने वास्तविक धरातल पर आ पाता है।

अपराध

- कानून का शक आपको वैसे अपराध से जोड़कर देखता है, जो शायद आप कर सकते थे।

अनाथ

- अनाथ बच्चे तभी तक खुश रहते हैं, जब तक उनको मालूम नहीं होता कि वे अनाथ हैं।
- यह तो आने वाला समय ही बतायेगा कि अनाथ बच्चा किस ईश्वर की शरण में जायेगा।

अनुभव

- आपका संचित अनुभव धीरे-धीरे बड़े ज्ञान में बदल जाता है।
- अनुभव हमेशा प्रतीक्षारत् रहते हैं अपने उपयोग के लिए
- वेगवान के हिस्से में नदी जैसा आगे बढ़ने का अनुभव बार-बार आता है।
- कड़े परिश्रम से जो अनुभव मिलते हैं वे हमेशा जीवित रहते हैं।

अनुसरण

- अपनी सफलता को बचाये रखने के लिए, उनसे अधिक तेज दौड़ना होता है, जो आपकी सफलता का अनुसरण करते पीछे-पीछे आ रहे होते हैं।

अभावग्रस्त

- अभावग्रस्त व्यक्ति को हमेशा थोड़ा-थोड़ा ही प्राप्त होता है।

अचंभित

- अपने द्वारा चुने व्यक्ति का सेवक की बजाय, राजा बनना अचंभित करता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

अभाव

- धुंध की तरह अभाव में भी आगे कुछ भी नहीं सूझता।
- अभाव में पूरी तरह सूखने के बाद ही कंठ भिगोया जाता है।
- अमीरों में संतुष्टि का अभाव जीवन पर्यन्त औरों से अधिक बना रहता है।
- आपमें जितनी अधिक इच्छाएँ होंगी, आप उतना ही अधिक अभाव महसूस करेंगे।

अनुशासन

- किसी का भी बचपन माता-पिता के लम्बे अनुशासन से निकलने के बाद ही स्वयं के जीवन में प्रवेश करता है।

अशिक्षा

- अशिक्षित व्यक्ति बड़ी आसानी से किसी का दास बन जाता है।

अपराजित

- अपराजित कोई नहीं है, सभी की पतंग एक-दूसरे के द्वारा काट दी जाती है।

अपमान

- किसी को अपमानित नहीं करना भी एक तरह का सम्मान ही है।

अकेला

- अकेले चलने वालों की राह केवल अपनी होती है।

अवसर

- एक की विपत्ति, दूसरे के लिए अवसर भी पैदा कर देती है।

अधिकार

- अधिकार बिना निगरानी के कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

अपराध

- छोटा सा अपराध भी सजी-सजाई दुनिया में तेजाब छिड़क सकता है।
- शांत चित्त वाला व्यक्ति अपराध की चिंगारी को सुलगते ही नष्ट कर देता है।

अहंकार

- अत्यधिक अहंकार, पागलपन में परिणत हो जाता है।
- बढ़ते वैभव के संसर्ग में आकर अहंकार बड़ी तेजी से पनपता है।

अत्याचार

- जानवरों पर हो रहा अत्याचार केवल आकाश देखता है।

असफलता

- यह दुर्भाग्य ही है असफलता के एक पहाड़ को जीतकर आप नीचे उतरते हैं कि सामने दूसरी खड़ी मिलती है।

अच्छा समय

- सबसे अच्छा समय वह है, जो आपको सर्वाधिक प्यार दिला सके।

अपमान

- अपमानित मन बहुत अधिक अंधकार पैदा करता है।

अपराध

- मन के अपराध की सजा शरीर भुगतता है।

अहसास

- एक चट्टान को ढेले में बदल जाने पर ही अहसास होता है कि पास पड़े ढेले भी कभी चट्टान थे।

अभागा

- अभागा है वह पेड़ जिसके बीज से कभी एक पेड़ भी नहीं जनमा।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

अशांत

- किसी भी अशांत व्यक्ति के सामने अपनी बातें रखना व्यर्थ है।

अहंकारी

- अहंकारी दूसरों के गुणों एवं क्षमता को समझने की सामर्थ्य खो बैठते

आलसी

- कुछ लोगों में काम खत्म करने का वेग होता है और कुछ में रुके रहने का आलस।
- आलसी सबसे बड़े मूर्ख होते हैं, जो स्वयं को ही ठग रहे होते हैं।
- आलसी लोग ही दुनिया में सबसे अधिक ठगे जाते हैं।
- सभी अपनी गलतियाँ सुधार लेते हैं, लेकिन आलसी उन्हें वैसे ही छोड़ देते हैं।
- आलसी को कभी मालूम नहीं होता है कि उसके हाथ कितने ऊर्जावान हैं।
- सच्चे आदमी की मदद के लिए आलसी भी उठ खड़ा होता है।
- आलसी को रोशनी में भी बोझ दिखलाई देता है।

आत्मविश्वास

- एक का आत्मविश्वास अनेक में बड़ी आसानी से भर जाता है।

आश्चर्य

- तेज काम करने वालों पर आश्चर्य नहीं करना चाहिए, यह तो उनका स्वभाव ही है।

आतिथ्य

- किसी का अतिथ्य ही बता देता है कि वह आपसे कितना स्नेह करता है।

आवश्यकताएँ

- अपनी आवश्यकताएँ बढ़ा लेने पर जिन्दगी भी जटिल हो जाती

आविष्कार

✤ पिंजरा पशु-पक्षिओं को यातना देने वाला सबसे निम्न कोटि का आविष्कार है।

आभूषण

✤ मजदूर सुबह की रोशनी को आभूषण की तरह, अपने तन पर धारण करता है।

आलोचना

✤ जो हर तरह के जीवन को स्वीकार लेता है, उसके मुख से आलोचना के स्वर नहीं फूटते।

आर्द्रता

✤ एक अच्छा व्यक्ति गीली मिट्टी जैसी आर्द्रता अपने पास लिए होता है जिसकी ओर समाज की जड़े बढ़ रही होती है।

आबादी

✤ अव्यवस्थित बढ़ी हुई आबादी शहर को बीमार कर देती है।

आँख

✤ आँखें असीम में से कुछ को ही चुनती हैं।
✤ आँखें जब सिर्फ एक की ओर होती हैं तो बिल्कुल साफ देखती हैं।
✤ एक राज छुपाने के लिए कई आँखें बंद कर दी जाती हैं।
✤ नापसन्द चीजों का बोझ तो आँखें भी नहीं उठाती हैं।
✤ जिनकी आँखों पर पट्टी बँधी हो, उन्हें खुद मालूम नहीं होता कि कहाँ तक जाना है।

आँसू

✤ कुछ दिनों तक आँसू बहाने के बाद आप जीवन को सम्भालकर रखना सीख जाते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

✤ अच्छे हैं वे आँसू जो अपना दुःख स्वयं ही झेल लेते हैं।

आश्रय

✤ प्रेमियों का आश्रय है चाँदनी रात, और श्रमिकों का सूरज की रोशनी।

आनन्द

✤ दूसरों की चीजें देखकर खुश होने वाले ही प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द उठा पाते हैं।

आबादी

✤ बढ़ती आबादी में बीज के हिस्से की जगह भी हड़प ली जाती है।

आदत

✤ आदत, चाकू की धार की तरह ही मौके का इंतजार करती है।

आकांक्षा

✤ छोटी आकांक्षाओं वाले छोटी दूरी तय करके भी खुश हो जाते हैं।

आराम

✤ काम नहीं करने वालों को बिना थके भी आराम चाहिए।

अशिक्षा

✤ बंद मन अशिक्षा के अंधेरे में पूरी तरह से डूबा होता है।

आलोचना

✤ लिख कर की गई आलोचना सबसे कटु होती है।

आवाज

✤ उस आवाज को शांत नहीं किया जा सकता, जो कल बहुत सारे लोगों की आवाज बनने वाली है।
⌘ तोता जब आजादी के गीत गाने लगता है तो उसे बदल दिया जाता है।

आधार

✤ विशेष दक्षता की जड़ें प्रारम्भ से ही मिट्टी में गहरा आधार बनाने लगती हैं।

आदमी

✤ आदमी हमेशा हँसने के लिए बेचैन रहता है।

✤ प्रत्येक आदमी के साथ एक अच्छी बात जुड़ी है कि वह अपना बुरा कभी नहीं चाहता।

आक्रोश

✤ आक्रोशित व्यक्ति के नाखून भी हथियार बन जाते हैं।

आतंक

✤ भयानक रूप ले चुकी बीमारी का आतंक, हिरण की तरह चारों ओर दौड़ता है।

आविष्कार

✤ आविष्कार की होड़ आकाश को भी दरवाजा समझकर खटखटा आती है।

औजार

✤ जिनके हाथों में औजार हो, उनका जीवन कभी हारा हुआ नहीं होता।

असफल

✤ असफल व्यक्ति से लोग दूर छिटकने की कोशिश करते हैं।

आजादी

✤ जहाँ मित्र नहीं हैं वहाँ शत्रु आपकी आजादी को रोक रहे होते हैं।

✤ जीवन के अनुभवों को ईंट की तरह एक दूसरे पर रखते जाएँ तो सामने एक मजबूत दीवार खड़ी मिलेगी।

✤ जब मन पूरी तरह से खुश हो तो यह आजादी ही है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

✤ मन से जब तक आजादी के गीत फूटते हैं आप तभी तक आजाद हैं।

✤ अपनी पूँछ गँवाकर भी आजाद हो जाना, गुलामी झेलने से कहीं बेहतर है।

✤ आजादी मिलने के बाद सारी खिड़कियों से केवल ताजी हवा आनी शुरू हो जाती है।

आदर

✤ उस रोड़े को हटा देना उचित होता है जो आपके आदर में अनादर घोल रहा है।

आलोचना

✤ जिसमें आलोचना के योग्य कुछ न हो, उसकी प्रगति रोक पाना मुश्किल है।

आग

✤ आग की सुन्दरता पकी हुई रोटी में दिखलायी देती है।

आराम

✤ जीने का जो तरीका दूसरों के लिए आरामदेह हो, जरूरी नहीं है कि वह आपको भी आराम दे।

इ

इंतजार

- अच्छा साथ देने वालों के लिए लोग लम्बा इंतजार भी कर लेते हैं।
- कल अच्छा होगा या बुरा, यह न जानते हुए भी उसका इंतजार करना पड़ता है।

इच्छा

- घर में आपका शरीर रहता है और मन में आपकी इच्छा।
- व्यक्ति की कुछ पाने की इच्छा, चाहे छोटे स्तर की हो या बड़े स्तर की, हमेशा बेहद तीव्र होती है।
- जीवित इच्छाएँ हमेशा अपने पाँव आगे बढ़ाने की कोशिश करती हैं।
- मकड़ी हर बार कुछ नया करने की इच्छा लिए ही अपना जाला बुनती है।
- सबसे खुबसूरत इच्छाएँ बेहद मामूली होती हैं।

इरादा

- एक नन्हा सा इरादा, धीरे-धीरे बड़ा होकर पहाड़ को घेरने लगता है।
- मजबूत इरादों के साथ ऊर्जा हमेशा चिपकी रहती है।

इच्छाशक्ति

- प्रबल इच्छाशक्ति अनेक उपलब्ध रास्तों में से किसी एक से अपना काम करवा लेती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ई

ईंट

- एक ईंट भी जब अच्छी तरह से स्थापित की जाय, तो वह बहुत सारी ईंटों का सहारा बन जाती है।

ईश्वर

- ईश्वर का स्वरूप इतना बड़ा है कि उससे कुछ-न-कुछ मिलने की आशा सभी को रहती है।

ईमानदार/ईमानदारी

- ईमानदार अपने काम की सबसे सुन्दर अवस्था को पाना चाहता है।
- ईमानदारी जब थका देती है तब बेईमानी पर विश्वास होने लगता है।

ईर्ष्या

- लोगों की ईर्ष्या सफल हो रहे व्यक्ति को भी इस तरह से देखती है जैसे वह असफल हो रहा हो।

उ

उतावलापन

✤ बहादुरी की अधिकता भी एक उतावलापन पैदा कर देती है।

उत्तेजना

✤ कुछ यादों में ऐसी अद्‌भुत उत्तेजना होती है, जिसे आप हमेशा बचा कर रखना चाहते हैं।

उत्कृष्ट

✤ उत्कृष्ट बातें दीये की लौ की तरह अंधकार में भी चमकती हैं।

उपकृत

✤ लोगों को उपकृत करने वाली कोई गहरी बात हमेशा ध्यान देने लायक होती है।

उद्यान

✤ सुन्दर उद्यान में प्रेम के सिवा किसी दूसरी चीज को पनाह ही नहीं मिलती।

उदासी

✤ उदासी की ओर से आँखें बंद कर लें तो प्रेम की लकीरें दिखने लगेंगी।

उद्योग

✤ उद्योग की अस्थिरता उससे जुड़े हर व्यक्ति में सिहरन पैदा करती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

उम्र

✤ उम्र बढ़ने के साथ-साथ आदमी मिट्टी की तरह नरम पड़ने लगता है।

उत्सुकता

✤ अत्यधिक उत्सुकता कार्य में तीव्रता लाती है।

उपहार

✤ उपहार में जब प्रेम और स्नेह लिपटे हों तो वह छोटा होने पर भी बहुत बड़ा लगता है।

उद्यम/उद्यमी

✤ एक उद्यमी ही किसी आविष्कार को बड़ा व्यापार बना पाता है।

✤ बाधाओं की चिन्ता करने से अधिक महत्वपूर्ण है उन्हें तोड़ने का उद्यम करना।

उपयोगिता

✤ विद्वानों की उपयोगिता उनके द्वारा किये गए उपयोगी एवं श्रेष्ठ सृजन में ही निहित है।

उपकृत

✤ लोभमुक्त लोग किसी से उपकृत नहीं होना चाहते।

उम्मीद

✤ जीवन में खुशियाँ आने की उम्मीद ही उसे जिंदा रखती है।

✤ उम्मीदें अगर बार-बार दिखलाई दें तो, आगे बढ़ते हुए कोई थकता नहीं।

✤ प्रत्येक राजनैतिक भीड़ इस उम्मीद के साथ घर लौटती है कि अब उनकी जिन्दगी पहले से सुविधाजनक हो जाएगी।

उपलब्धि

✤ गुणों की उपज ही आपकी उपलब्धि है।

उर्वरक

✤ उर्वरक तो कहीं से भी खोदे जा सकते हैं लेकिन पेड़ तो उगाने ही पड़ते हैं।

उपद्रव

✤ उपद्रव के अंडे अनेक दैत्य पैदा कर देते हैं।

✤ उपद्रव का धुआँ, ऊपर जाने की बजाय चारों तरफ फैलता है।

उन्नति

✤ काम में उन्नति देने वाले सिर्फ यह देखते हैं कि आप उनकी झोली में लाभ भर रहे हैं या नहीं।

उलझन

✤ पारिवारिक उलझन, काम और आराम दोनों को उलझाती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ऊ

ऊँचाई

✤ प्रतिभावान व्यक्ति हर दिन एक नयी ऊँचाई को छूने के लिए आगे बढ़ता है।

ऊर्जा

✤ जीवन लगातार प्रवाहित हो रही ऊर्जा का ढेर है, कोई इससे लाभ निकालता है तो कोई हानि।

✤ शरीर में बन रही ऊर्जा को नष्ट होने से पहले ही उपयोग में लाना चाहिए।

क

कंधा

✤ आत्मविश्वास एक बड़ा कंधा है, किसी भी मुश्किल समय को सम्भालने के लिए।

कपास

✤ कपास के पौधे मरकर भी लागों के कपड़ों में जीवित रहते हैं।

कब्जा

✤ अभावग्रस्त लोगों की बची-खुची चीजों पर भी दूसरे आसानी से कब्जा कर लेते हैं।

✤ बलशाली लोग कब्जा करते हैं और कमजोर अपना कब्जा गँवाते हैं।

कब्र

✤ केवल सोने की इच्छा रखने वालों के लिए कब्र ही सबसे अच्छी जगह है।

कलाकार

✤ जीवन का रुखड़ापन कलाकार की कूँची में ही ठीक से समाता है।

कर्म

✤ बुरे कर्म मुसीबतों को घसीट कर आपके घर तक ले आते हैं।

कमजोर का विरोध

✤ कमजोर व्यक्ति के विरोध को हमेशा प्रलाप करार दिया जाता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

कमजोरी

✤ लड़ाई में हारने के बाद ही अपनी कमजोरी स्पष्ट दिखलायी पड़ती है।

✤ जो चीज अधिक छुपाई जाती है, वह लोगों की कमजोरी ही होती है।

कमर

✤ प्रतिभावान बच्चों का बोझ उठाने से किसी की भी कमर नहीं दुखती।

कमीज

✤ कमीज के चीथड़े हो जाते हैं लेकिन धागे अपना बन्धन कभी नहीं छोड़ते।

कैंची

✤ एक कैंची अपने आचरण से इतनी बँधी होती है कि वह चीजों को काटने के सिवा दूसरा कोई भी काम नहीं कर पाती।

काँटे

✤ काँटे हमेशा एक समूह में रहने के कारण शक्तिशाली होते हैं।

✤ काँटे केवल आपको रोकते हैं, प्रहार नहीं करते।

कलात्मकता

✤ जहाँ भी कलात्मकता होगी, वह अपना प्रभाव डालना शुरु कर देगी।

कुंजी

✤ सही विचारों को एक साथ जोड़कर काम में लाना, सफलता की कुंजी है।

कलम

✤ जिन लोगों के प्रति आप में प्यार और निष्ठा होती है, उन्हीं के लिए आपकी कलम भी स्वर पैदा करती है।

कलाकार

- ✤ एक कलाकार वास्तविकता से अधिक अपनी कला के सपनों में खोया रहता है।
- ✤ अपने अंदर हर बार एक नया कलाकार पैदा कर लेना एक कलाकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कमजोर

- ✤ कमजोर व्यक्ति हमेशा भय की हथकड़ी पहने होता है।

कला

- ✤ जिनको कला की गहराई में जाने का रास्ता ही पता नहीं, वे उसके तल तक कैसे पहुँचेंगे?
- ✤ अनेक तरह की कलाएँ मिलकर किसी श्रेष्ठ को रच डालती है।
- ✤ दर्शक ऊबते नहीं हैं, जब कला का चक्का लगातार घूमता रहता है।
- ✤ आपकी कला में झकझोरने वाला कोई न कोई वेग तो होना ही चाहिए, तभी उसे अधिक लोग स्वीकारेंगे।
- ✤ उत्कृष्ट कला को इतना अधिक व्यक्त करना चाहिए कि लोग उसमें खो जाए।

कला

- ✤ अनेक कलाएँ आपस में जुड़कर बेजोड़ कला का रूप ले लेती है।

कहानी

- ✤ दुःख-भरी कहानी हर दिन सभी के घर में जन्मती है।

किसान

- ✤ किसान अपने एक-एक पौधे की चिन्ता करते हुए ही एक दिन बूढ़ा हो जाता है।
- ✤ किसान का कुछ भी सुरक्षित नहीं होता, उसका एक-एक दिन अपनी

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

चीजों की रखवाली करते हुए बीतता है।

- ✤ बीज को किसान जितने प्यार से अपने हाथ में लेता है, उतने प्यार से कोई और नहीं।
- ✤ किसान के लिए रोटी उसके खेत का रस ही है।
- ✤ किसान के लिए बीज एक शीशु की तरह ही होते हैं।

कायरता

- ✤ कायरता से भरे लोग अपने परिवार को हमेशा चिन्तित बनाए रखते हैं।

कानून

- ✤ राज्य के कानून का आस्थापूर्वक पालन करने पर ही आप वहाँ स्वयं को स्वतंत्र महसूस करेंगे।

कुल्हाड़ी

- ✤ कुल्हाड़ी वृक्ष पर राक्षस के दाँत की तरह चुभती है।

कैदखाना

- ✤ कैदखाना केवल शरीर को कैद कर सकता है, आपराधिक सोच को नहीं।
- ✤ कैदखाना मामूली अपराधी को भी बड़ा अपराधी बना सकता
- ✤ बिल जैसा कैदखाना, साँप जैसों के लिए सुरक्षित जगह है।

कामयाबी

- ✤ कामयाबी का सबसे बड़ा सूत्र है; हर जरूरी काम से प्यार।

कानून

- ✤ समाज में घुटन पैदा करने वाला कानून धीरे-धीरे टूटने लगता है।

क्रोध

- ✤ दबा हुआ क्रोध अपनी लपट उठाने के लिए बेचैन रहता है।

काम

✤ एक ही तरह का काम करते हुए, आप उस काम की रस्सी से ही बँधे रह जाते हैं।

कृति

✤ उत्कृष्ट कृति को समय कभी पुराना नहीं होने देता।

किस्मत

✤ कुछ लोगों की अच्छी किस्मत उनके मरने के बाद खुलती है।

कृति

✤ अच्छी कृति आलोचना की हर खाई को पार कर जाती है।

कुल्हाड़ी

✤ किसी भी व्यक्ति के पास पेड़ काटने वाली नहीं बल्कि अंधकार काटने वाली कुल्हाड़ी होनी चाहिए।

कुआँ

✤ कुआँ आपके कंठ में समा जाता है जबकि समुद्र केवल आँखों में।

कैदी

✤ एक बुद्धिमान वकील में कैदी की रस्सी को अनूठे ढंग से खोलने की कूव्वत होती है।

कारण

✤ जिन कारणों से आप सफल हो रहे थे, उन्हीं कारणों का अभाव होने पर आप असफल होने लगते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ख

खतरनाक

✤ खतरनाक लोगों के बीच से हमेशा बुरी खबर ही आती है।

✤ निठल्ले लोगों की योजनाएँ खतरनाक ही होती हैं।

खर्च

✤ किसी व्यसन पर खर्च करना बेहद आसान है, बनिस्पत किसी जरूरतमन्द पर खर्च करने के।

खुशी

✤ सफलता आपका पात्र खुशियों से भर देती है और असफलता उसे खाली कर देती है।

✤ सफलता की लालसा के बजाय, संतुष्टि के सहारे जीना अधिक खुशी देता है।

✤ ग्राहक जिस खुशी को स्वर्ग समझते हैं, वेश्या उसे नरक।

✤ जो कारण आज खुशी दे रहे होते हैं, कल वे अपना स्थान छोड़ चुके होते हैं।

खुशबू

✤ गाँव की धूल में खेत की फसलों की खुशबू बसी होती है।

✤ खुशबू बिना शोर किये चुपचाप अपना काम करती रहती है।

खुशियाँ

✤ काम का दायित्व पूरा हो जाने पर खुशियाँ अपने आप आपके शरीर से फूट पड़ती हैं।

खून

✤ दौड़ते पाँव खून के वेग को दर्शाते हैं।

खिलाड़ी

✤ दोनों छोर की मजबूती देखकर रस्सी पर खड़ा खिलाड़ी निर्भीक हो जाता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ग

गतिशीलता

✤ वेगवान चीजें किसी की हथेली पर एक पल भी नहीं ठहरती।

गन्दगी

✤ गंदे आदमी को गंदगी कभी बैचैन नहीं करती।

✤ नदी में गंदगी फेंकना उसमें मौजूद लाखों जीव-जन्तुओं को सताने जैसा ही है।

✤ गन्दगी बहुत आसानी से जगह-जगह इकट्ठी हो जाती है।

✤ गन्दगी कहाँ तक फैलने के बाद चुप होगी, यह कोई नहीं जानता।

गवाह

✤ कानून बिना गवाह के अपनी आँखें नहीं खोलता।

गाँठ

✤ मन को उलझाने वाली गाँठ जब आप खोल लेते हैं तभी पीड़ा-मुक्त होते हैं।

गाँव

✤ गाँव में सभी का रहन-सहन काँच की तरह पारदर्शी होता है।

गरीब

✤ गरीब के कान जिरह को नहीं बल्कि सजा को सुनते हैं।

✤ अपना अँधेरा गरीब के घर सभी छोड़ देना चाहते हैं।

✤ गरीबों को हमेशा हानि में से ही लाभ चुनने का अवसर मिलता है।

गोली

✤ सैनिकों का हौसला हमेशा गोली से आगे रहता है।

गीत

✤ दुःख भरे गीत धूल और हवा को भी जगा देते हैं।

गलत पेशा

✤ गलत पेशा करने वालों के घर में रहने से बेहतर होगा वहाँ से निकल जाना।

गाय

✤ सीधे-साधे लोगों से गाय की तरह अपनी बात मनवाना आसान होता है।

✤ एक गाय अपने बच्चे के प्रेम के सहारे, कसाई खाने तक भी बड़ी खुशी-खुशी चली जाती है।

गलती/गलतियाँ

✤ गलती सुधारे जाने पर ही मालूम होता है कि आप कितनी गलतियों के शिकार थे।

✤ गलतियाँ जब तक मन के अन्धकार में छुपी रहती हैं तब तक दंड से बची रहती हैं।

गृहिणी

✤ गृहिणी आग को भोजन में बदलती है और दुष्ट इसे हिंसा में।

गुलामी

✤ यातना से भी बड़ा गुलामी का बोझ होता है।

गुरु

✤ स्वयं को गुरु बना लेने पर प्रकाश भी स्वयं के द्वारा ही खोजा जाता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

गुलाम

✤ किसी की पूँछ पकड़े रखना, गुलाम बनाने का एक तरीका है।

घ

घटना

- आप में ऐसी घटना घटने की उत्सुकता बनी रहती है, जो सम्भवतः आप को लाभ पहुँचाएगी।

घड़ा

- एक महिला के हाथों का घड़ा, पूरे कुएँ को ढो सकता है।

घबराना

- दौड़ में पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ आपसे घबराए हुए लोग ही दिखलाई देंगे।

घबराहट

- असफलता की घबराहट में मनुष्य अपने बहुत सारे गुण खोने लगता है।

घनिष्ठता और प्यार

- घनिष्ठता मित्रों से भी होती है, लेकिन प्यार केवल परिजनों से ही मिलता है।

घर

- वह घर कभी नहीं टूटता जहाँ स्त्रियों की इज्जत होती है।
- अपना घर स्थायी सुख का जरिया होता है।
- जो घर से निकल पड़ते हैं वे दूर पहुँचने की सोचते हैं, मुश्किलों की नहीं।
- आपस का मन टूटने पर, घर भी उजड़ना शुरू हो जाता है।
- अव्यवस्थित घर चूहे और मकड़ी के लिए स्वर्ग बन जाता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

- जो अपनों का त्यागते हैं, उनका घर अंधेरे में ही बसता है।
- अधिक थक जाने पर केवल घर दिखता है।

घास

- घास की तरह सूखा हुआ जीवन फिर से अपना हरा रंग तलाशता है।

घोड़ा

- घोड़ा हमेशा हिम्मत वालों को ही पीठ पर ढोता है।
- घोड़ा आजीवन गाड़ी खींच कर भी मालिक नहीं, जुता हुआ ही कहलाता है।

च

चतुराई

✤ जब पंजे सुस्त पड़ जाते हैं, तब बुढ़ापे की चतुराई ही शिकार को घेरती है।

चयन

✤ हताश होकर किसी चीज का चयन करने पर वो चयन सबसे खराब होता है।

चाहत

✤ आदमी चाहता है कि उसे कम भार उठाना पड़े, लेकिन भार उठाने की उसकी ताकत हमेशा बनी रहे।

चापलूस

✤ चापलूसों को लोग जेब में बैठाकर रखते हैं।

चित्र

✤ कैनवास के चित्र आकार में बहुत छोटे होते हैं, लेकिन भावनाओं में उतारने के लिए बहुत बड़े।

✤ उत्तम चित्र वे हैं, जो सबकी को समझ में आने वाली भाषा बोलें।

चिनगारी

✤ जिस चिनगारी में आपके अनुरूप होश रहता है, वह ही आपके लिए ठीक से काम कर पाती है।

चींटी

✤ चीनी के दाने तक सबसे पहले पहुँचने वाली चींटी कुछ खास ही चतुर

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

होती है।

चुनाव

✤ केवल मजबूत मन ही नये रास्ते का चुनाव कर पाता है।

चिन्ता

✤ लोगों का दिन चिन्ता से मुक्त होने में बीतता है और रात बची हुई चिन्ता को सँभालने में।

✤ नाव में सवार होने के बाद अपने से अधिक चिंता नाव की हो जाती है।

✤ किसी भी व्यक्ति में कल की चिन्ता आज के आँखों में दिखलाई देती है।

चिन्तन

✤ चिंतन धीरे-धीरे होता है लेकिन उसका असर लोगों पर तेजी से होता है।

✤ चिन्तन हमेशा छोटी योजना को बड़ी युक्ति में बदल देता है।

चिट्ठी

✤ जो पुरानी यादों को सम्भालना नहीं जानते, उनके लिए चिट्ठी जैसी हर चीज बेकार है।

चाँद

✤ चाँद जैसे अकेले को कभी गिनने की जरूरत नहीं पड़ती।

✤ तारे असंख्य हैं लेकिन चाँद ही सभी को अपना करीबी लगता है।

✤ अमावस्या का चाँद दुख की तरह रात में फैला होता है और पूर्णमासी का खुशियों से भरा हुआ।

✤ चाँद आपको जरूर देख रहा होता है लेकिन जा रहा होता है कहीं और।

चूहा

✤ एक चूहा घर के सारे गुप्त रास्तों को टटोल चुका होता है।

छ

छलाँग

- आगे बढ़नेवाले सुबह ही तय कर लेते हैं; आज उन्हें कितनी लम्बी छलाँग लगानी है।

छाँटना

- जब तक घटिया हीरों को छाँटा नहीं जाता वे मूल्यवान हीरों के बीच मूल्यवान बनकर ही रहते हैं।

छाता

- मूसलाधार बारिश को एक छाता घर की छत की तरह ही झेलता है।

छाया

- नम्रता का पाठ पेड़ की छाया देती है।
- धूप के टुकड़े कभी पेड़ की छाया को परास्त नहीं कर पाते।

छात्र

- जो छात्र शिक्षक की दिशा को समझते हैं, वे ही उनका पूर्ण अनुसरण कर पाते हैं।

छुपाना

- प्रत्येक बुराई धुएँ की तरह अपने को शीघ्रता से छुपाना चाहती है।

छिपकली

- छिपकली घर के भीतर भी अपना एक और घर बना लेती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ज

जंगल

- जंगल खत्म होने के बाद अब कटे हुए जंगल का हिस्सा शुरू हो जाता है।
- हिरण का शिकार हो जाने पर जंगल की चपलता थोड़ी देर के लिए थम सी जाती है।
- जंगल जानवरों से अपनी सुरक्षा कर लेता है, लेकिन मनुष्यों से नहीं कर पाता।

जड़

- जड़ें सभी डालियों से एक समान प्यार करती हैं।

जबरदस्ती

- बुरी चीजों को बाहर भेजने के लिए मन का दरवाजा जबरदस्ती से खोलना पड़ता है।

जवानी

- जवानी तो स्वयं उपयोगी होती है लेकिन बुढ़ापे को उपयोगी बनाना होता है।

जमीन

- सम्भले हुए पाँव ही उबड़-खाबड़ जमीन पर भी अच्छी तरह से चल पाते हैं।
- जमीन आलसी को कभी फसल नहीं देती लेकिन एक मेहनती को अपनी हरियाली जरूर।

जरूरतमन्द

✤ एक सच्चा जरूरतमन्द एक से उपकृत होकर सन्तुष्ट हो जाता है।

जल्दबाजी

✤ किसी से उसका सब कुछ हासिल कर लेने की जल्दबाजी, उससे सम्बन्ध-विच्छेद का कारण बन जाती है।

जल

✤ हिलता-डुलता जल किसी का प्रतिबिंब ठीक से सम्भाल कर नहीं रख पाता।

जमे पाँव

✤ तूफान में सब कुछ हिलता रहे, आपके पाँव जमे हैं तो, अंत में आप सम्भल ही जाएँगें।

जानकारी

✤ अच्छी चीजों के गुणों की जानकारी नहीं होने पर आप सही चुनाव नहीं कर पाते हैं।

जादूगर

✤ एक जादूगर के कारनामे जितने आाश्चर्यजनक होते हैं उतने ही कृत्रिमता में घुल जाने वाला भी।

जीवन

✤ जीवन में जिस तरह से बार-बार उदासी आती है, मुस्कुराने के क्षण भी उसी तरह बार-बार आते हैं।
✤ अपनी सबसे प्रिय चीजें साथ न होने पर, जीवन ठीक से जिया नहीं जाता।
✤ नदी और जीवन कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते।
✤ असंख्य पर्दे उठ जाने के बाद भी जीवन रहस्यों से ढका हुआ ही

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

नजर आएगा।
✤ आधुनिकता हमेशा यह जताना चाहती है कि उसने पूर्व के कठिन जीवन को सरल बना दिया है।
✤ आप अपने अतीत के जीवन को केवल टुकड़ों में ही देख सकते हैं, संपूर्णतः में कभी नहीं।
✤ जन्म लेते ही आपको जीवन को खींचने वाली गाड़ी का हिस्सा बन जाना पड़ता है।
✤ जीवन स्वयं को दुहराने का मौका किसी को नहीं देता।
✤ जिसने जीवन भर सबको बहुत कुछ दिया, कब्र उसे कभी मरने नहीं देती।
✤ आनेवाला जीवन हमेशा वर्तमान की दृष्टि से ओझल रहता है।
✤ जीवन से केवल खुशी चाहने वालों की इच्छा कभी पूरी नहीं होती।
✤ कुछ लोगों को संघर्ष करते हुए ही जीने में मजा आता है।
✤ जीवन गेंद की तरह है, जिसे बार-बार अलग-अलग जगहों पर टप्पा खाते रहना होता है।
✤ किसी का भी जीवन कभी स्वतंत्र नहीं होता, कोई न कोई उसे बाँधे होता है।
✤ जीवन संघर्ष भी देता है और उत्सव मनाने के मौके भी।
✤ जीवन चाहे कितना भी क्यों न थक जाए, रुक कर फिर आगे बढ़ने की कोशिश करता है।
✤ हार मान चुका जीवन एक ही स्थिति में हमेशा टिका रहता है।
✤ जीवन सागर की तरह है, जिसकी न तो लम्बाई दिखती है और न ही गहराई।

जीवन-स्तर

✤ एक-दूसरे की देखा-देखी ही जीवन-स्तर में परिवर्तन लाती है।

जीविका

✤ अच्छी जीविका कुएँ की तरह आजीवन सुख देती है।

जीवन-संघर्ष

✤ जीवन का संघर्ष कभी छोटा नहीं होता, जब तक जीवन है, यह चलता रहता है।

जीवन-संगीत

✤ जीवन का संगीत कभी खत्म नहीं होता, केवल धुन बदलती रहती है।

✤ जीवन का संगीत पहाड़ों पर अधिक मधुर होता है।

जिन्दगी

✤ रोते हुए आप जिन्दगी के किसी भी गड्ढे को पार नहीं कर सकेंगे।

जिद

✤ जिद हर समाधान को निरुत्तर कर देती है।

✤ जिद हमेशा गलती करके भी जीतना चाहती है।

जोखिम

✤ कुछ काम ऐसे हैं जिनका में लाभ सिर्फ एक को मिलता है, लेकिन जोखिम अनेक को उठाना पड़ता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

झ

झूठ

✤ झूठ जब भयमुक्त होता है तो सच बोलने लगता है।

झोंपड़ी

✤ चाहे वह झोंपड़ी ही क्यों न हो, घर वापस लौटकर हर किसी को असीम सुख मिलता है।

झील

✤ सुन्दर झील उन्हीं की दोस्त होती है जो उसे सुन्दर रखते हैं।

ट

टोकरी

✤ बिकने के लिए हाट जा रही टोकरी के सामान का मूल्य, एक दिन के खुराक जितना ही होता है।

ठ

ठोकर

✤ ठोकर खाकर लोग महान् बनते हैं न कि ठोकर देकर।

ड

डरपोक

- ✤ डरपोक चुप-चाप बैठे रहने में ही अपनी भलाई समझते हैं।
- ✤ डरपोक हमेशा निर्भीक व्यक्ति के अधूरे काम को छूने से कतराते हैं।

डर

- ✤ डर हमेशा आपको दाँत जैसी किसी नुकीली चीज से पकड़ना चाहता है।
- ✤ चाबुक का डर घोड़े को कभी अपनी पीड़ा के बारे में सोचने का अवसर ही नहीं देता।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

त

तंगी

- ✤ तंगी दो रोटी की भूख को एक तक सीमित कर देती है।

तपस्या

- ✤ आपकी तपस्या, सफलता को हर दिन आपके थोड़ा और करीब ला देती है।

तन्हाई

- ✤ तन्हाई अर्धरात्रि जैसी उदासी परोसती है।

तकदीर

- ✤ दूसरों पर आश्रित रहने वाली तकदीर कभी-न-कभी बिक जाती है।

तरीका

- ✤ दो अशिक्षितों का लड़ने का तरीका जानवरों जैसा ही होता है।

तनख्वाह

- ✤ सही आदमी की तनख्वाह सीधे पत्नी की मुट्ठी में जाती है।

तकिया

- ✤ सबसे प्यारा तकिया वो है जिसमें दो प्रेमी एक साथ सोते हैं।

तलाश

- ✤ कल जिसे आकाश तक पहुँचना है, वह एक लम्बी सीढ़ी तलाशता है।

ताकत

- ताकत क्षीण होने पर अर्जित लाभ भी दूसरे छीन ले जाते हैं।
- शुभ हमेशा अशुभ को कोसों दूर धकेलने की ताकत रखता है।
- ताकत क्षीण होने पर अर्जित लाभ भी दूसरे छीन ले जाते हैं।
- शुभ हमेशा अशुभ को कोसों दूर धकेलने की ताकत रखता है।
- आदमी हर दिन उस ताकत को हासिल करना चाहता है जो उसे सुखी रख सके।

ताकतवर

- ताकतवर की चिंघाड़ को हमेशा ध्यानपूर्वक सुनना पड़ता है।

ताजगी

- ताजगी अपने समय को हमेशा ताजा रखने पर प्राप्त होती है।

तालाब

- गाँव के तालाब पर सभी भाई-भाई की तरह मिलते हैं।
- गाँव के तालाब पर सभी भाई-भाई की तरह मिलते हैं।
- तालाब का हर छोर लोगों को उपकृत कर रहा होता है।

तालमेल

- जीवन की लड़ाई जीतने के लिए अपनी सभी सामर्थ्यों के बीच उम्दा तालमेल बैठाना जरूरी होता है।

तीर

- चतुर वे हैं जो अपने तरकश में हमेशा तीर बचा कर रखते हैं।
- चतुर वे हैं जो अपने तरकश में हमेशा तीर बचा कर रखते हैं।

तुलना

- किसी कमजोर व्यक्ति के साथ अपनी तुलना करने में हर किसी को आनन्द मिलता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

तैरना

- जो तैरना जानते हैं वे नदी की चौड़ाई देखते हैं, गहराई नहीं।

तारे

- जिस तरह से तारे और रात एक साथ होते हैं उसी तरह से तलवार और हिंसा भी एक साथ होते हैं।

तोता

- पिंजरे में बंद तोता मनुष्य की भाषा में आजादी का आग्रह कभी नहीं कर पाता।

थ

थकना

- थक जाने पर शरीर किसी भी आनन्ददायी चीज का साथ छोड़ देता है।
- काम की थकान स्त्री एवं बच्चों से दूर होती है न कि दोस्तों की संगत से।

थकान

- लम्बी दूरी तय करने वालों में थकान मिटाने की कोई हड़बड़ी नहीं होती।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

द

दरवाजा

- दीवारों को तोड़ने की बजाय दरवाजा खोज लेना हमेशा आसान होगा।
- प्रयासरत लोगों के लिए कोई-न-कोई अपना दरवाजा खोल ही देता है।

दर्द

- अतीत के दर्द को भुला देना, वर्त्तमान को जीवित करना है।

दवा

- मुश्किल बीमारी दवा के असर को भी नहीं पहचानती।

दर्पण

- अपनी जिन्दगी का अन्धेरा मन के दर्पण में हमेशा दिखता है।
- नदी का जल ऐसा दर्पण है जो अपने भीतर की चीजों को छुपाकर केवल बाहर के दृश्यों को दिखलाता है।
- प्रेमिका को हमेशा ऐसा दर्पण चाहिए जिसमें वह यर्थाथ से अधिक सुंदर दिखे।
- संसार को देख पाने वाला दर्पण केवल आपके मन में है।

दायित्व

- विशाल दायित्व को अपने में सम्भाले रखना एक महान गुण है।

दान

- बहुमूल्य दान साधारण भिक्षुओं के हाथ नहीं लगता।

देख-रेख

- आप अपने बच्चों की देख-रेख जिस खुशी के साथ करते हैं, उतनी खुशी के साथ अपने माता-पिता की नहीं।

दूरदर्शिता

- आपकी दूरदर्शिता आपको किसी ऐसे मार्ग का दर्शन करा देती है, जो दूसरों के लिए दुर्लभ होता है।

दुष्कर्म

- दुष्कर्म ऐसा बीज है जो गंदी से गंदी जगह में बहुत अच्छी तरह से पनप जाता है।

दुःख

- दुःख का बोझ न उतारते बनता और न ही ढोते।
- किसी का बच्चे नहीं होने का दुःख और किसी का अनाथ होने का दुःख लगभग एक जैसा ही है।
- झण्डे बदलते जाते हैं, लेकिन आदमी का दुःख वहीं का वहीं रहता है।
- यह कभी संभव ही नहीं कि बड़ा दुःख झेल लेने के बाद, दूसरा दुःख आये ही नहीं।
- कुछ दुःख देखने में सरल होते हैं, लेकिन झेलने में अति भयानक।

दौड़

- दौड़ में हारने वाले की ओर कोई नहीं देखता, बल्कि वह खुद अपनी ओर देखता है।
- आप कितना तेज दौड़ते हैं, यह नहीं देखा जाता बल्कि आप दूसरों से कितना तेज दौड़ते हैं, यह देखा जाता है।
- सभी सोचते हैं कि वे तेज दौड़ सकते हैं, लेकिन दौड कुछ ही पाते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

दिशा

- उम्र के साथ-साथ मंजिल पाने की दिशा भी बदलती जाती है।
- अगर छात्र की दिशा विपरीत हो तो सबसे अच्छे शिक्षक की शिक्षा भी उसे आकर्षित नहीं कर पाती।

दिनचर्या

- दिनचर्या के बदलाव से हो सकता है केवल उत्कृष्ट आदतें ही आपके पास रह जाएँ।
- दिनचर्या का सफर होता तो है छोटा, लेकिन उसमें डूबना बहुत गहरा पड़ता है।

दिन

- बुरे दिन, बिना बदलाव के सुधरते नहीं।

दिल

- दिल बार-बार टूटने पर भी फिर से जी उठता है।

दीये

- दीये हमेशा याद दिलाते रहेंगे कि शुरुआत में हमारे पास इतना ही प्रकाश था।
- संयम से शरीर दीपक की तरह बन जाता है, जो ज्ञान के प्रकाश को ठीक से सम्भाल सके।

दुरुपयोग

- समय के दुरुपयोग से भी अधिक हानि चरित्र के दुरुपयोग से होती है।

दुविधा

- एक हिरण की दुविधा; शेर से भी बचना और जंगल में भी रहना है।
- दुविधा में हमेशा एक पाँव आगे रहता है तो एक पीछे।

- जीवन के साथ सबसे बड़ी दुविधा है कि आप इसे अकेले नहीं जी सकते।

दुनिया

- पिंजरे से दुनिया को केवल देखा जा सकता है, उसमें जिया नहीं जा सकता।

दुश्मन

- कमजोर दुश्मन को हमेशा एक मजबूत दोस्त चाहिए।
- कमजोर दुश्मन को हमेशा एक मजबूत दोस्त चाहिए।

दृष्टि

- यह विडम्बना ही है कि गरीब अपने से थोड़े अमीर को भी श्रेष्ठता की दृष्टि से देखता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ध

धन

- जिसे अपना रहन-सहन सुधारना है उसके लिए धन प्रेम से बड़ा होता है।

धनाढ्य

- धनाढ्य व्यक्ति अपनी मानसिक भूखों से अधिक परेशान रहता है।

धर्म

- सभी धर्मों पर समान आस्था रखने वाला एक बड़े समूह में शामिल हो जाता है।

धर्म

- धर्म धीरे-धीरे अपना एक अलग समुदाय तैयार कर लेता है।

धरती

- धरती सोना उगलती है मेहनतकश के प्रेम को देखकर न कि किसी की मिल्कियत को खुश करने के लिए।

धैर्य

- अगर आप में धैर्य है तो आज निरर्थक लगने वाली मेहनत भी कल सार्थक लगेगी।

धार

- लोहे का टुकड़ा धार चढ़ जाने के बाद मामूली नहीं रह जाता।

धुआँ

✤ चिमनी का धुआँ आज आपका साथ छोड़ देगा, लेकिन कल कहर बनकर जरूर लौटेगा।

धुन

✤ बोझिल मन हमेशा आजाद धुन ढूँढ़ता रहता है।

✤ आदमी उस धुन को खोजता रहता है जो उसके संसार को स्वर्ग बना दे।

धूर्त

✤ धूर्त सीधे-सादे लोगों को बाल्टी की तरह इस्तेमाल करते हैं।

धूल

✤ आगे बढ़ने वालों की धूल से पिछड़ने वाले हमेशा परेशान रहते हैं।

धूप

✤ धूप पेड़ को बहुत कुछ दे जाती है लेकिन चट्टान को कुछ भी नहीं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

न

नदी

✤ नदी को हम स्वयं गन्दा करते हैं और फिर उसका साफ-सुथरा किनारा भी ढूँढ़ते हैं।

✤ नदी का अकेलापन उसका सूख जाना है।

नफरत

✤ नफरत इतनी नुकीली है कि बाप-बेटे के बीच भी खाई खोद देती है।

नयी सोच

✤ सभी आपमें समाना चाहेंगे, जब आपके पास नयी सोच वाली छत होगी।

नवीनता

✤ जब आप पुराने को छोड़कर नये दौर में शामिल हो जाते हैं तो आप फिर.....

नवीन

✤ आगे बढ़नेवाले के पास सब कुछ नवीन होता है और रुके हुए के पास सब कुछ प्राचीन।

नाव

✤ रुकी हुई नाव हर रुकी हुई चीज की तरह भय पैदा करती है।

नाखून

✤ बढ़े हुए नाखून बीते हुए समय का आभास करा देते हैं।

नुकसान

✤ आलस छोड़ने पर हो रहा नुकसान रुक जाता है, साथ-साथ हो चुके नुकसान की भरपाई भी होनी शुरू हो जाती है।

निराशा

✤ निराशा आपके चारों ओर प्रकृति से दूर रखने वाला एक पिंजरा निर्मित कर देती है।

निराशा

✤ निराशा ऐसे घेरती है जैसे बीच में घर और चारों तरफ खाई।

निर्माण

✤ मनुष्य जिस जगह पर अपना निर्माण शुरू करता है, प्रकृति उस जगह अपना निर्माण रोक देती है।

निर्देश

✤ मानसिक दुर्दशा उस समय चरम सीमा पर होती है जब एक से अधिक निर्देश एक ही व्यक्ति को बार-बार दिए जाते हैं।

निठल्ला

✤ निठल्ले लोगों की सैर हमेशा अनावश्यक रास्तों की होती है।

निर्भीकता

✤ निर्भीकता का अनुसरण धीरे-धीरे अनेक डरपोक भी करने लगते हैं।

निर्णय

✤ एक रोगी काया कभी स्वस्थ निर्णय नहीं ले पाती।

नैतिक मूल्य

✤ नैतिक मूल्यों से सम्बन्ध तोड़ लेने पर अच्छा भविष्य भी आपसे दूर जा बैठता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

नेतृत्व

✤ अपने आप को जब आप बेहतर नेतृत्व दे पाते हैं तो फिर किसी दूसरे के नेतृत्व की आपको आवश्यकता नहीं पड़ती।

⌘ खराब नेतृत्व की दिशा हमेशा गलत होती है।

नींद

✤ थकान मिट जाने के बाद भी न खुलने वाली नींद आलस की ही होती है।

नासमझ

✤ नासमझ को समझाना लहरों को शांत कराने जैसा ही दुष्कर है।

न्यायाधीश

✤ न्यायाधीश के लिए वकील की दलीलें अपराध को देखने के लिए सिर्फ एक चश्मा हैं।

प

पड़ाव

✤ जब बहुत कोशिश के बाद भी आप आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, इसका अर्थ है, पड़ाव अभी लम्बा है।

पक्ष

✤ अक्सर लोग उन्हीं का पक्ष लेना पसन्द करते हैं जिनसे कोई लाभ मिलने की सम्भावना हो।

पड़ोसी

✤ संबंध अच्छे हों तो पड़ोसी के घर की रोशनी कभी भी आपके काम आ सकती है।

पराजय

✤ हर कोई दूसरों की जीत को पराजय में बदल देना चाहता है।

पक्षी

✤ जिस पक्षी का उड़ना आप कभी न देख पायें, उसे पिंजरे में बंद करने का क्या लाभ?

✤ उड़ता हुआ पक्षी आजादी का प्रतीक है।

✤ पिंजरे में बंद पक्षी मनुष्य की दोस्ती को आजादी में कभी बदल नहीं पाता।

✤ पक्षी के लिए हर पेड़ आजादी का एहसास है।

✤ जब पक्षी को लगता है वह उड़ लेगा तो वह माँ की बजाय आकाश को देखता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

पशु

✤ पशु हमेशा अकेला मरता है और मनुष्य अपने परिवार के बीच।

✤ हिंसक पशु जैसी इच्छा, हमेशा दूसरों को यातना देती है।

पहल

✤ गुणी व्यक्ति की पहल बहुत सारे लोगों को विपत्ति से बचा लेती है।

पसन्द

✤ किसी नयी चीज का स्वाद पसन्द आने पर आपकी आवश्यकताओं में एक और चीज की वृद्धि हो जाती है।

पतंग

✤ अनेक पतंग कट जाने का दुःख, एक दिन आपको सिखा देता है, अपनी पतंग को कैसे सुरक्षित रखना है।

पसीना

✤ लम्बी दूरी तय करने वालों के लिए थकान केवल पसीना है।

परेशानी

✤ हर नई परेशानी अपने नाखून से आपको थोड़ा सा खरोंच कर चल देती है।

परेशान

✤ एक कौवें के लिए बेहद आसान है, गाय के सिर पर बैठकर उसे परेशान करना।

पढ़ना

✤ अच्छी बातें सुनने का मौका कभी-कभी आता है लेकिन पढ़ने का बार-बार।

पनाह

✤ एक पेड़ हर जीव को अलग-अलग तरह से पनाह देता है।

✤ प्यार को प्यार करने वालों में ही पनाह मिलती है।

पहाड़

✤ पहाड़ जंगल को बचाये रखने वाले दुर्ग हैं।

पलकें

✤ आँखों की पलकें हर डर को ढक देती हैं।

परिवार

✤ जब परिवार की जरूरत एक ही चीज को पाने की होती है तो उसे पूरा करने के लिए सभी एकजुट हो जाते हैं।

✤ जिन्हें परिवार प्रिय है, वे प्रलोभन छोड़कर अपनों की तरफ भागते हैं।

✤ एक खुशहाल परिवार में सभी के हाथ सुबह से ही काम को छूने लगते हैं।

✤ जो परिवार की मदद को सँभाल कर रखते हैं, उन्हें यह बार-बार मिलती है।

✤ परिवार के सदस्य मजबूत हों तो घर की दीवारें भी किले की तरह मजबूत हो जाती हैं।

✤ हारे हुए लोग जब परिवार में वापस लौटते हैं, तब भी उन्हें अपना प्यार सामने खड़ा मिलता है।

✤ परिवार के मुखिया को बार-बार अपनों के बीच आयी दरार को जोड़ना पड़ता है।

✤ गैर-जिम्मेदार सदस्य से परिवार की नहीं बन पाती।

पहिए

✤ अपना समाधान पाने के लिए दौड़ रहे पहिए, जल्दी ही विरोधियों द्वारा रोक दिए जाते हैं।

✤ आपको काम देने वाला, आपके पहिए हमेशा दौड़ते देखना चाहता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

पवित्रता

✤ पवित्रता हमेशा पवित्र चीजों के योग से ही निर्मित होती है।

पेड़

✤ दो पेड़ खुशी से आस-पास रह लेते हैं, लेकिन दो मनुष्य मुश्किल से ही।

पिता

✤ पुत्र जो भी लाभ भौतिक रूप से प्राप्त करता है, उसे पिता मानसिक रूप से अपने पास रखता है।

✤ पुत्र की लम्बी परेशानी, पिता के लिए हर दिन चुभता काँटा है।

✤ एक समझदार पिता बच्चों के साधारण मार्ग को भी अपनत्व देता है।

✤ हर पिता नींद में भी परिवार के उत्थान के सपने ही देखता है।

✤ एक पिता हर पीढ़ी में अपने सपनों को जीवित देखना चाहता है।

✤ एक पिता शिक्षा के लिए उत्सुक बच्चे की जेब में अपने सारे पैसे भर देता है।

पिता-पुत्र

✤ पिता और पुत्र का संबंध एक बीज और धरती की तरह का ही होता है।

✤ पिता और पुत्र का प्रेम एक ही दिशा में साथ-साथ बढ़ता है।

✤ एक जिम्मेवार भाई अनेक बच्चों वाले पिता का बोझ थोड़ा हल्का कर देता है।

पिंजरा

✤ सुन्दरता खोने के बाद पिंजरा भी पक्षी का साथ नहीं देता।

✤ उड़ा हुआ मन किसी दूसरे के पिंजरे में जाकर कैद हो जाता है।

✤ जितना छोटा पिंजरा होगा, उतनी ही कसी होंगी उसमें कैद पक्षी की इच्छाएँ।

पिंजरे

✤ एक शेर की पिंजरे से भागने की सजा मौत भी हो सकती है लेकिन गीदड़ की केवल चंद डंडे।

पीड़ित

✤ पीड़ित चेहरों में कुम्हलाये फूलों की कुचलन होती है।

प्रतिभाशाली

✤ प्रतिभाशाली व्यक्ति के परिचय में हर दिन कोई नयी और अच्छी बात जुड़ जाती है।

प्रभावित

✤ जिससे भी आप अधिक प्रेम करेंगे, वह आपके जीवन को प्रभावित करेगा ही।

प्रवाह

✤ जीवन में बुराइयाँ और अच्छाइयाँ हर दिन हम से टकराती हैं; जिनका प्रभाव हम पर अधिक पड़ता है, हम उस ओर ही बढ़ जाते हैं।

प्रेम

✤ आपस के प्रेम से आपको फायदा होता है जब कि आपसी विवाद से दूसरों को।

प्रभुत्व

✤ डालियाँ और जड़ें चारों दिशाओं में अपना प्रभुत्व जमाकर रखती हैं।

प्रक्रिया

✤ दुख और सुख को ग्रहण करने और छोड़ने की प्रक्रिया आजीवन चलती रहती है

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

प्रलोभन

✤ बुरे रास्तों में प्रलोभन शुरु से आखिर तक मौजूद रहता है।

प्रसिद्धि

✤ प्रसिद्धि की उड़ान में थकान कभी आड़े नहीं आती।

प्रशंसा और आलोचना

✤ जो प्रशंसा से जितना अधिक खुश होता है, वह आलोचना से उतना ही अधिक व्यथित भी होता है।

प्रेम और घृणा

✤ प्रेम मिलन के लिए आतुर करता है और घृणा दूर रहने के लिए बाध्य।

प्रेम

✤ बुढ़े की लाठी की आवाज केवल उसकी बूढ़ी पत्नी के मन में ही प्रेम जगा पाती है।

प्रबन्धक

✤ अच्छा प्रबन्धक अपने सारे कामों में अपनी गति भरता है।

प्रेमी

✤ दूसरों की विपदा अपने सिर पर झेलने वाला, कोई प्रेमी ही होता है।

प्रकृति-प्रेम

✤ प्रकृति-प्रेमियों को उसकी दुर्दशा बर्दाश्त नहीं होती।

प्रवृति

✤ मन की प्रवृति ही है अनावश्यक चीजों का चयन करना।

प्रदूषण

✤ प्रदूषण की मिट्टी में राक्षसी प्रवृतियाँ ही अधिक पनपती हैं।

प्रंशसा

✤ अपने प्रिय को सर्वत्र प्रंशसित होते देखने की इच्छा किसे नहीं होती?

प्रकृति का खजाना

✤ आपका जिन्दगी भर का संघर्ष भी प्रकृति के असीम खजाने से मुट्ठी भर ही उठा पाता है।

प्रकृति

✤ जब आपका मन बच्चों की तरह निर्मल होता है तो वह प्रकृति की गोद में बैठना चाहता है।

✤ एक बार प्रकृति में डूबकर देखिये, वहाँ कहीं डर नहीं लगेगा।

प्रतिनिधित्व

✤ हर किसी के पास अपनी दृढ़ धारणा होती है, जिसका वह प्रतिनिधित्व करता है।

प्रगति

✤ कमजोर लोग तलवार को अड़ी देख अपनी प्रगति स्थगित कर देते हैं।

प्रेमिका

✤ वैश्या का संग बदलना आसान है, प्रेमिका का नहीं।

प्रेम

✤ प्रेम के दो प्यासे, एक दूसरे के लिए कुआँ और कंठ हैं।

✤ प्रेम अपने अनुरूप साँचा देखकर उसमें प्रवेश कर जाता है।

✤ प्रेम आँखों में भी खेल सकता है और सुदूर सपनों में भी।

✤ कठिन जिन्दगी हमेशा प्रेम के सहारे झेल ली जाती है।

✤ प्रेम किसी थके व्यक्ति को भी अपने साथ चलने पर मजबूर कर देता है।

✤ प्रेम-भरा मन हर फूल से प्यार करना चाहता है।

✤ प्रेम प्रकृति के भीतर इतनी प्रचुर घुला होता है कि वह कभी खत्म

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

नहीं होता।

✤ प्रेम जो सवेरा लाता है वह सूरज भी नहीं दे पाता।

✤ प्रेमियों का शरीर जितना दूर हो, प्रेम उतना ही पास होता जाता है।

✤ मन में बसा प्रेम फूलों की खुशबू की तरह बाहर निकलने की कोशिश करता है।

प्रयास

✤ अपना जीवन स्तर सुधारने का प्रयास पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है।

पाँव

✤ खेतों में चलने वाले पाँव, रूखड़ेपन को भी प्यार करने लगते हैं।

✤ गिलहरी उस कच्ची डाल पर अपने पाँव कभी नहीं रखती, जो उसका बोझ न सह सके।

✤ अंधेरा कहाँ-कहाँ पर है यह जान लेने के बाद आपके पाँव फिर लड़खड़ाते नहीं हैं।

✤ दल दल में फँसे पाँव एकान्त से बहुत घबराते हैं।

पेड़

✤ जब फसल उगती है तो हर पेड़ पास-पास होता है, जब फसल कटती है तो हर पेड़ दूर जा चुका होता है।

✤ पेड़ उस मूलधन की तरह है, जिसे काट देने के बाद ब्याज भी खत्म हो जाता है।

पुस्तक

✤ हर अच्छी पुस्तक में दूसरी अनगिनत पुस्तकों की थोड़ी-थोड़ी महक भी छिपी होती है।

पुनर्जन्म

✤ अपने टूटे हुए संसार को फिर से जोड़ लेना पुनर्जन्म ही है।

पोषण

✤ बिना अपनी जिम्मेदारी समझे, पालतू कुत्ते का पोषण भी नहीं हो पाता।

प्यास

✤ मुश्किल चीजों को पाने की प्यास, मन को कभी शांत नहीं रहने देती।

प्यार

✤ भाइओं का प्यार एक दूसरे के जीवन में पसरा रहता है।
✤ माँ का प्यार जीवन भर, अनेक रूपों में रूपान्तरित होता रहता है।
✤ प्यार, मन का साथ देने के लिए धन का साथ छोड़ देता है।
✤ मुस्कुराते हुए मन को टटोलने पर वहाँ केवल प्यार ही मिलेगा।
✤ सुन्दरता आपको उस ऊँचाई तक ले जाती है, जहाँ केवल प्यार होता है।
✤ बिना प्यार के सौन्दर्य जल्द ही सूख जाता है।
✤ बच्चे इतना अधिक प्यार लुटाते हैं कि हमारी आँखें छोटी पड़ जाती हैं
✤ पत्नी का प्यार पुरुष का सारा श्रम को सोख लेता है।

पैसा

✤ जिनके पैसों में तेज दौड़ने की ताकत होती है, वे ही लाभ लेकर वापस लौटते हैं।

पागल

✤ पागल अपने भीतर पल रही मुसीबत से बिल्कुल अनभिज्ञ रहता है।

प्रेरणा

✤ प्रेरणा डरावनी दुनिया में भी आपको खड़ा रखती है।

प्रयास

✤ अनमोल चीजें झपटने से नहीं, धैर्य और सतत प्रयास से मिलती हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

पौधा

✤ पौधा बन जाने के बाद उसका बीज की तरफ लौटना मुश्किल है।

पैमाना

✤ अपने खुश होने का पैमाना आदमी खुद तय करता है।

प्रेरणा

✤ एक श्रमिक की सफलता अनेक श्रमिकों के लिए प्रेरक बन जाती है।

पोटली

✤ एक अभावग्रस्त व्यक्ति की पोटली में स्वर्ग और नर्क दोनों का निवास होता है।

फ

फूल

- जब तक फूल नहीं आ जाते, एक पेड़ की सुन्दरता को पूरी तरह से देखना अभी अधूरा है।
- फूल मुरझाते हैं इसलिए उनकी पूछ बार-बार होती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ब

बँटवारा

- बच्चों में सम्पत्ति के बँटवारे के साथ-साथ, एक पिता का बँटवारा भी हो जाता है।
- एक सम्पत्ति के बँटवारे के साथ पुरखों के द्वारा जोड़ी गयी सारी सम्पदा फिर से बिखर जाती है।
- पूरी धरती का बॅटवारा शासक बड़े चाव से कर लेते हैं, जब कि वह उनकी होती नहीं।

बच्चा

- बच्चा सामने वाले की उम्र नहीं, उसका प्यार देखता है।
- वयस्क हो चुके बच्चे के मन की जटिलता को अब माता-पिता समझ नहीं पाते हैं।
- जिस बच्चे के सम्मान में प्रशंसा का बिगुल फूँका जाता है वह माता-पिता को स्वर्ग के समान खुशी देता है।
- हर बच्चे के साथ अलग-अलग रूप में जीना पड़ता है, माता-पिता को।
- एक अनपढ़ बच्चा उस भूमि की तरह है, जिसपर कभी बीज नहीं छिड़के गए।
- जब बच्चा पिता का हाथ छोड़ता है तो फिर किसी नयी चीज को थाम कर आगे बढ़ता है।
- बच्चे की आँख आपके शत्रु में भी दोस्त ही देखती है।

✤ मुरझाई चीजों के पीछे तो बच्चा भी नहीं भागता।

बच्चे

✤ औरतें जो भी काम करती हैं, उसमें बच्चे को पालने जैसी तन्मयता होती है।

✤ बच्चे अपने छोटे से संसार को हमेशा बड़ा करना चाहते हैं।

बल

✤ बलशाली आपको भय देता है और बलहीन राहत।

✤ पुरूषों का बल आकर्षित करता है और स्त्रियों का प्रेम।

✤ बिना बुद्धि के केवल बल सागर की लहरों के समान ही अनुपयोगी है।

बहादुर

✤ रक्षा करने वाले बहादुरों के बिना यह दुनिया पापियों की होगी।

बदलाव

✤ जो चीजें मृतप्राय हो गयी हैं, उनमें बदलाव अब कम ही दिखलाई देता है।

बर्दास्त

✤ लोग हमेशा औरतों की बर्दास्त करनी की शक्ति का फायदा उठाते हैं।

✤ गरीब को अपने बर्दाश्त की सीमा बार-बार बढ़ानी पड़ती है।

बहुमूल्य

✤ कुछ लोग इसलिए बहुमूल्य होते हैं, क्योंकि वे बहुमूल्य कार्य करते हैं।

✤ बहुमूल्य चीजों की छाया उन पर लगे पहरे में दिखलाई देती है।

बुरे-धन्धे

✤ आबादी बढ़ने पर बुरे धंधे भी अपना भाग्य आजमाने वहाँ पहुँच जाते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

बुद्धिमान

✤ बुद्धिमान वही हैं जो लुप्त हो चुकी खुशियों के पीछे भागने की बजाय नयी खुशियाँ ढूँढ़ते हैं।

बीज

✤ वंश बढ़ाने और बीजों को छिड़कने की प्रक्रिया लगभग एक जैसी ही है।

✤ एक बीज को अपनी जगह पर ही पूरा जीवन काटना होता है, चाहे वह अच्छी हो या बुरी।

बीमारी

✤ बीमारी आपको तहखाने की सैर कराती है और स्वास्थ्य बगीचे की।

✤ प्रत्येक बीमारी के बाद जीवन को पहले से अधिक अनुशासित करने की जरूरत होती है।

बुढ़ापा

✤ बुढ़ापा अधिक चमक-दमक वाली चीजों को बर्दाश्त नहीं कर पाता।

✤ यौवन सौन्दर्य लाता है और बुढ़ापा बीमारी।

✤ बुढ़ापा जिस छड़ी को चुनता है, उस पर पूरी आस्था रखता है।

✤ बुढ़ापा अपने बच्चों के लिए दूर की सोचता है, लेकिन अपने लिए केवल पास की।

✤ बुढ़ापे में अपनों से प्रेम पाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है।

✤ बुढ़ापे में आप अपने में उस ताकत का अभाव महसूस करते हैं, जिसके सहारे इस उम्र तक पहुँच पायें हैं।

✤ ढेर सारे जीवनानुभवों को थामे हुए एक बूढ़े आदमी के पाँव अब धीमे-धीमे ही चल पाते हैं।

✤ समझदार वे हैं जो अपने बुढ़ापे को एक सीमित दायरे में रखना शुरू

कर देते हैं।

- ✤ बुढ़ापे का सबसे बड़ा दुःख इन्द्रियों का ठीक से सहयोग नहीं कर पाना है।
- ✤ बुढ़ापे को बुढ़ापे के अनुशासन में ही जीना पड़ता है।

बोझ

- ✤ बोझ उठाने का आनन्द तभी है, जब आप उसे उठाकर दूर तक ले जा सकें।
- ✤ शहर की जमीन पर बड़ी-बड़ी ईमारतों का बोझ होता है और गाँव की जमीन पर छोटी झोपड़ियों का।
- ✤ दूसरों से गलत काम करवाना दरअसल अपनी दुष्टता का बोझ दूसरों पर डालना है।

बेकारी

- ✤ बिना काम वाले लोग खाली पात्र के समान ही हैं।

बेवकूफ

- ✤ समझदार लोग बुराइयों को आपदा समझते हैं और बेवकूफ उन्हें दोस्त।

बेकसूर

- ✤ एक बेकसूर इल्जाम झेलते-झेलते अपने ही शरीर को स्वयं पीटने वाला हथौड़ा बन जाता है।

बेचैनी

- ✤ एक जिम्मेदार व्यक्ति का न रहना बेचैनी छोड़ जाने जैसा है।

बाधा

- ✤ जो बाधाओं से लड़ते हैं वे उनके आने की शिकायत नहीं करते।
- ✤ मुसीबतों के ऊपर जब आप पुल बना लेते हैं तो वे आपके मार्ग की

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

बाधा नहीं बनतीं।

बैल

- ✤ थके हुए बैल की भी आँखों में किसान के लिए प्यार होता है।

बंधन

- ✤ मवेशियों का बंधन संकरी गली जैसा ही होता है।

बहादुर

- ✤ एक बहादुर की मौत से देश की एक बड़ी डाल टूट जाती है।

बाढ़

- ✤ बाढ़ को स्थायी आश्रय कहीं नहीं मिलता।

बुद्धि

- ✤ बुद्धि हमेशा गहराई में ही गोते लगाती है।
- ✤ बड़ी बुद्धि कभी साधारण होकर नहीं रह सकती।
- ✤ सक्रिय बुद्धि हार को जीत में बदल देती है।

बुराई

- ✤ मादक द्रव्यों में बुराई बर्फ की तरह डूबी हुई रहती है।

बुद्धिमान

- ✤ बुद्धिमान दीये को भी मशाल बनाकर अपना रास्ता ढूँढ़ लेते हैं।
- ✤ बुद्धिमान, बिना बुद्धि के चश्मे के कुछ भी नहीं देखता।

बुरा मन

- ✤ बुरे मन से बार-बार जानवर का स्वरूप झाँकता है।

बिछड़ने का दुःख

- ✤ अपनों से बिछड़ने का दुःख, आगे बढ़ती नाव की तरह धीरे-धीरे लुप्त

हो जाता है।

बीज

- ✤ वह बीज महान् होता है जो किसी के मन में शिक्षा के लिए असीम चाहत पैदा कर दे।
- ✤ बीज हमेशा खाली जगह को भरने की कोशिश करते हैं।

बेटी

- ✤ पिता का कलम को स्याही में डुबोने जैसा छोटा सा प्रेम भी बेटी में अपार खुशियाँ भर देता है।
- ✤ बेटी से अत्यधिक प्यार करने वाला हर सीढ़ी में उसके साथ अपने पाँव रखता है।

बोझा

- ✤ रुकी हुई चीज पर कोई अपना बोझा नही धरता।

बंधन

- ✤ जो भीड़ के बंधन में बंधकर रह जाते हैं, वे दौड़ नहीं पाते।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

भ

भय

- ✤ जुल्म करने वालों को भय है- कहीं उनसे बड़ा जुल्मी पैदा न हो जाय।
- ✤ मृत्यु के बाद ही भय मन का साथ छोड़ता है।
- ✤ जो सिर्फ किसी एक के सहारे हो, उसे बेसहारा होने का भय अधिक सताता है।
- ✤ भयभीत मन अपने तालाब से बाहर नहीं निकलता।
- ✤ भय के बीज आपके शरीर के उपर हमेशा झरते रहते हैं।

भविष्य

- ✤ माँ की गोद छूटते ही बच्चे का भविष्य अपने पाँव पर खड़ा हो जाता है।
- ✤ अपने हाथों से बनाया हुआ भविष्य हमेशा आपकी आँखों के सामने होता है।

भरोसा

- ✤ अपने भाइयों पर आपका भरोसा थोड़ा टूट जरूर सकता है, लेकिन एक काँच के टूटने की तरह पूरा कभी नहीं।
- ✤ दीये पर हमारा भरोसा, उसका हमारे प्रागंण में जलते रहने देना है।
- ✤ आविष्कारक को कुछ नया खोज पाने का उतना ही भरोसा होता है, जितना एक पेड़ को फलने का।

भविष्य

- ✤ जब आपका भविष्य कैसे भी नहीं बदले तो समझिए आप एक कुएँ में हैं।

भार

- नयी जिन्दगी की शुरुआत, नयी पटरी की तरह है, जिसे अभी कितने ही सफर का भार उठाना है।
- अपना भार झेल न पाने पर महसूस होता है, यह अपना नहीं किसी और का है।

भाई

- भाइयों का प्रेम सभी के एक मत रहने पर ही सफल हो पाता है।

भूख

- जानवर या तो अपनी भूख से परेशान होते हैं या अपने से बड़े जानवरों को भूखा देखकर।
- अत्यधिक भूखा व्यक्ति मौत के मुँह से भी रोटी खींच लेना चाहता है।

भोर

- शाम अंधकार की ओर बढ़ती है और भोर प्रकाश की ओर।

भूल-भूलैया

- जीवन की भूल-भूलैया में आपको किसी न किसी का हाथ थामकर ही आगे बढ़ना होता है।

भिक्षा

- भिक्षा का छोटा सा पात्र, समाज की बड़ी समस्या है।

भीड़

- भीड़ की एक खासियत है कि वह आश्वासनों को बड़े धैर्य से सुनती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

म

मंदी का दौर

- मंदी के दौर में लालटेन की आँच भी काम की चीज हो जाती है।

मंदी

- मंदी के दौर में तेज दौड़ने वाले गिर जाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे चलने वाले सम्भले रहते हैं।

मन

- किसी के मन को टटोलने पर या तो सत्य प्रकट होता है या फिर असत्य की खाई।
- उड़े हुए मन को वापस अपनी जगह लौटने पर ही शांति मिलती है।
- मन खुशियों को थोड़ी देर तक ही सम्भाल सकता है, अधिक देर नहीं।
- रोता हुआ मन केवल आँसू पोछने वालों को ही ढूँढ़ता है।
- संगीतमय मन तारों की झिलमिलाहट में भी कोई साज बजते देखता है।
- सारे दुख-सुख की फसल मन की धरती पर ही उपजती है।
- जीभ की तरह, मन को भी स्वाद चाहिए।
- थोड़े से कपड़े से तन ढका जा सकता है, लेकिन मन को नहीं।
- मन की गहराई सागर की तरह सभी तल पर अलग-अलग होती है।
- मन की यह विशेषता है कि वह जितनी अधिक चीजें देखता है उतना विशाल होता जाता है।

महत्त्व

✤ विद्वान जब किसी चीज को महत्त्व देते हैं तो अवश्य ही वह विशेष गुणों से सम्पन्न होती है।

महत्त्वाकांक्षी/महत्त्वाकांक्षा

✤ महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति को बार-बार ठोकर खाकर भी खड़ा रहना होता है।
✤ बड़ी-बड़ी महत्त्वकांक्षाओं के साथ बड़ी स्पर्द्धाएँ भी जुड़ी रहती हैं।
✤ महत्त्वाकांक्षाओं की बाढ़ तबाही का ही दूसरा नाम है।
✤ महत्त्वाकांक्षा की अग्नि को सुलगने के लिए हमेशा एक दृढ़ आधार चाहिए।

मक्खी

✤ मक्खी जितनी आसानी से दूर भगायी जाती है, उतनी ही तेजी से लौट भी आती है।

मछलियाँ

✤ वे मछलियाँ ही अधिक दिनों तक जिन्दा रह पाती हैं, जिन्हें अपने दुश्मनों को छकाना आता है।

मनपसन्द

✤ मनपसन्द चीज की तलाश में थके पाँव भी मीलों चल लेते हैं।

मस्तक/मस्तिष्क

✤ विद्या की लहरों में आया उछाल अनपढ़ों का मस्तक छूने लगता है।
✤ नया काम सीखना मस्तिष्क में नये बीज बोने की तरह ही है।

मजबूरी

✤ मजबूरी नये विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है।
✤ दूसरों की मजबूरी का फायदा गिरोह बना कर रहने वाले लोग अधिक उठाते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

मछुआरा

✤ मछुआरा व्यावसायिक बुद्धि के अभाव में मछलियों के बजाय केवल अपना श्रम ही बेच पाता है।

महँगाई

✤ महँगाई से केवल सामान ही नहीं बल्कि लागों का समय भी महँगा हो जाता है।
✤ महँगाई हर किसी को ऊँचे पहाड़ पर चढ़ने जैसी थकान ही देती है।

मजदूर

✤ मजदूरों की समस्या का निपटारा केवल उनके हाथ-पाँव ही कर पाते हैं।
✤ दुकानों में तरह-तरह के सजे सामान देखकर, मजदूरों को अपनी तन्ख्वाह बहुत छोटी लगती है।

महावत

✤ गुलाम हाथी का बल महावत के पास होता है।

मलीनता

✤ खोखली चमक कुछ देर बाद मलीनता में बदल जाती है।

मधु

✤ मधु जीभ पर होता है और मधुमक्खी का श्रम बाहर।

मजबूरी

✤ मजबूरी आपको अपने कानून से बाँध कर मनचाहा काम करवाती है।

मकड़ी

✤ अवयस्थित जगह को देख मकड़ी भी अपना जाला बुनना शुरू कर देती है।

मार्ग

✤ कला का मार्ग पक्षी की उड़ान की तरह सभी दिशाओं को छूता है।

- तंग करने का मार्ग, तंग होने वाला, जल्दी ही दूसरों से बेहतर सीख जाता है।

मालूम

- आने वाला कल किसी के लिए भी अच्छा हो सकता है, लेकिन वह कल कब आएगा, किसी को भी मालूम नहीं।

मानसिक

- बुरी चीजें मानसिक और शारीरिक क्षरण खूब अच्छी तरह से करती हैं।

माँ

- जो प्यार एक बच्चे को अपनी माँ की गोद में मिलता है, वैसा प्यार उसे फिर कभी नहीं मिलता।
- एक बच्चा बुढ़ापे तक, माँ के प्यार को अनगिनत रूपों में अनुभव कर चुका होता है।
- बच्चों की हर गलती को माफ कर देने वाला हृदय माँ के पास ही होता है।

माँ

- एक माँ के लिए उसका बच्चा हमेशा उसकी कोख से जुड़ा हुआ ही होता है।
- बच्चे अधिकारपूर्वक बैठते हैं तो केवल अपनी माँ की गोद में।
- बच्चे के लिए माँ का आँचल ही सबसे सुरक्षित घर है।
- असल इंतजार तो एक माँ करती है, जिसकी आँखें बच्चों के इंतजार में हमेशा खुली रहती हैं।
- माँ उस बेटे से अपना सपना जोड़ लेती है जिसमें महान् बनने की क्षमता हो।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

मूल्य

- मूल्यवान हीरों को छाँट लिये जाने के बाद बचे हीरों का मूल्य बुरी तरह से गिर जाता है।
- जीवन के अन्तिम दिनों में आपके लिए सारी मूल्यवान चीजों का मूल्य नगण्य हो जाता है।
- जिस वस्तु को पाने की शीर्ष-वर्ग में लालसा होती है, उसका मूल्य कई गुणा बढ़ जाता है।

मूर्ख

- अज्ञान का संचय करने पर आप पहले से अधिक मूर्ख हो जाते हैं।

मूर्खता

- मूर्खता का काम ही है, अंधेरे को ढोकर चारों ओर फैलाना।

मूर्ति

- ज्ञानी की आँखें आराध्य मूर्ति की तरह हमेशा खुली रहती हैं।

मोह

- जीवन से अधिक मोह रखने वाले लोगों को खतरनाक कामों में हाथ नहीं डालना चाहिए।
- धन का मोह छोड़ने पर ही मालूम होता है कि उससे भी बड़ी चीज कुछ होती है।

मेहनत

- मेहनत का प्रतिफल एक न एक दिन खिड़की की हवा की तरह आप तक पहुँच ही जाएगा।
- व्यर्थ के काम वर्षो की मेहनत के बाद भी हँसी नहीं ला सकते।
- पूर्वजों की मेहनत की हँसी अगली पीढ़ी के चेहरे पर दिखलायी देती

है।

- सब कुछ छिन जाने के बाद भी एक चीज है जो आपके पास बची रहेगी वह है आपकी मेहनत।

मूल्यवान

- उपयोगी वाक्यों की यात्रा कभी खत्म नहीं होती है।
- मूल्यवान विचारों का बाजार कोई मोल नहीं लगा पाता।

मूल्य

- जानवरों के श्रम का मूल्य केवल खुराक है।

मूर्ख

- मूर्खो से काम लेने के लिए उन्हें चिमटे जैसे पकड़ कर रखना होता है।
- मूर्ख को न प्रेम करना आता है और न ही घृणा।

मिट्टी

- मिट्टी उस वक्त अधिक क्षमतावान नजर आती है जब उसमें पौधे उगते हैं।

माँग

- अधिकारों की मॉग करने वाले कागज क्रोध और बेचैनी से भरे होते हैं।

मुलाकात

- कुछ मुलाकातें निश्चित कर देती है कि कोई व्यक्ति अजनबी बने रहने लायक है या दोस्त।

मुसीबत

- लगातार परेशानियों से जूझ रहे व्यक्ति को खाली थैले में भी मुसीबत दिखलाई देती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

मुखिया

- परिवार के मुखिया की जीवन शैली सभी सदस्यों को अपनें में समाकर चलती है।
- एक सच्चे मुखिया की चिन्ता, गाँव की हर गली का निरीक्षण कर रही होती है।

मुट्ठी

- नयी मुट्ठी भी धीरे-धीरे मुश्किलों को सम्भाल लेती है।

मौका

- अन्धेरे के कारण ही मौका मिलता है चाँद-सितारें को अपनी चमक दिखलाने का।

मौत

- बचाव का अन्तिम उपाय मौत के मुँह में उतरना है।

मेहनत

- कई बार कड़ी मेहनत के बाद भी जिन्दगी नहीं बदलती, केवल समय बदलता रहता है।
- सच्ची मेहनत का पसीना जरूर दिखता हे, लेकिन आँसू कभी नहीं।

मुश्किलें

- आपको लाभ से वंचित करने के लिए मुश्किलें हर दिशा से अग्रसर होती है।

मुसीबत

- मुसीबतों में फँसा व्यक्ति विस्फोटक की तरह बाहर निकलने की कोशिश करता है।

मुरझाना

- सभी चाहते है उनका जीवन गुलाब की पंखुड़ियों से ढका रहे, लेकिन

फूलों का मुरझाना भूल जाते हैं वे।

मूल्यवान

✤ संसार में हर कोई अपने को मूल्यवान बनाने की होड़ में लगा होता है।

मुकुट

✤ मूल्यवान मुकुट पहनने वाला भी एक दिन सादगीपूर्ण जीवन पसंद करने लगता है।

मुफ्त

✤ हर कोई वहाँ रुक जाता है जहाँ से मुफ्त में कुछ हासिल हो।

मोह

✤ जीवन हमें कोई न कोई सुख हमेशा देता रहता है, इसलिए हम इसके मोह-पाश में बँधे रहते हैं।

✤ अपनी चेतना को नये रंग में रंगने के लिए, पुराने रंग का मोह छोड़ना ही पड़ता है।

मृत्यु

✤ लाइलाज बीमारी से मृत्यु की ओर बढ़ रहा मरीज, विज्ञान को कोसता रहता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

य

यात्रा/यात्री

✤ हर यात्रा के बाद देखी हुई जगह आपकी अपनी हो जाती है।

✤ सभी की यात्रा तट पर खत्म हो जाती है, लेकिन नाव की कभी नहीं।

✤ एक विशेष मेले के आयोजन की खबर लाखों लोगों को यात्री बना देती है।

यातना

✤ बड़ी यातना के साथ हमेशा अनगिनत छोटे-छोटे दुःख भी जुड़े होते हैं।

यादें

✤ खूबसूरत ताजा यादों के सामने, पुरानी धुंधलाने लगती हैं।

योद्धा

✤ योद्धा केवल बलवान् को ही अपनी पूरी ताकत दिखलाता है।

✤ सामने आते संघर्ष से निरंतर लड़ने वाला ही योद्धा होता है।

योग्यता

✤ सफलता में विलम्ब होता है, जब आपकी योग्यता समझने वाले अभी अधकच्चे हों।

र

रंग

- सारे रंगों से ऊबकर एक दिन आप सिर्फ सफेद को ही अपना लेते हैं।
- सभी से मिले थोड़े-थोड़े रंग आप के मौजूदा रंग को और अधिक गाढ़ा कर देते हैं।

रक्तदान

- रक्तदान से बड़ा गुप्त दान कोई नहीं होता।

रफ्तार

- छोटा से छोटा काम भी हमसे तेज रफ्तार की माँग करता है।
- रफ्तार धीमी हो तो एक बच्चा भी उसे रोक देता है।

रस्सी

- आप मुसीबतों को खींचते जाएँ, एक दिन आपको बाँधकर रखने वाली रस्सी जरूर टूटेगी।
- धागों को रस्सी के रूप में गूंथ दिये जाने पर, अब उन्हें जो भी काम करना होता है, वह मिलकर ही करना होता है।

रत्न

- जिनकी उपस्थिति से समाज चमकता है, वे ही समाज के रत्न हैं।

रहस्य

- जितने अधिक रहस्यों की गाँठ खुलती जाएगी, आदमी उतना स्वतंत्र महसूस करेगा।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

रक्षा

- रक्षा न हो तो कानून भी टूटी हुई दीवार ही है।

रास्ता

- लाभ पाने की तेज भूख के कारण लोग हानि पहुँचाने वाले रास्तों को बन्द करना भूल जाते हैं।

रास्ता/रास्ते

- आप चाहे कितने भी क्यों न भटक जाएँ, फिर भी सही रास्तों के आस-पास ही होते हैं।
- आदमी अक्सर सबसे अधिक मुस्कुराने वाले रास्ते की ओर बढ़ जाता है।
- रास्ता वही ढूँढ़ना चाहिए जो आपकी आँखें खोल दे।

राज्य

- समृद्धि की ओर बढ़ रहे राज्य में श्रम से जी चुराने वाले गरीब रह जाते हैं।
- राज्य में अधिक लोगों के रहने से महत्वपूर्ण है उनका सुखपूर्वक रहना।

रुदन

- पीड़ित बच्चों के रुदन में विश्व का रुदन छिपा होता है।

रात

- शिथिल गतिविधियों से भरे पात्र का नाम ही रात है।
- रात दुष्टों को अतिरिक्त लाभ देती है।

रोशनी

- साँसो की तरह आँखों में हर पल एक नई रोशनी प्रवेश करती है, दुनिया दिखलाने के लिए।
- एक खास रोशनी को सभी ढूंढ़ते हैं जिसमें सब कुछ सुनहरा और

प्यारा लगे।

- ✤ तेज रोशनी के बुझने के बाद, बाकी छोटी रोशनियाँ धीमी लगती हैं।
- ✤ रोशनी कम हो तो हर तट बुझा हुआ-सा दिखता है।
- ✤ हर घर की थोड़ी-थोड़ी रोशनी मिलकर, एक बड़ा प्रकाश स्रोत बन जाती है।

रेगिस्तान

- ✤ जो रेगिस्तान मनुष्य के पाँव बाँध देता है, उँट के वही खोल देता है।
- ✤ जिसमें अत्यधिक रोशनी की भूख है बड़ी दुनिया वही टटोलता है।

रिश्ते

- ✤ भाग्यशाली हैं वे जिनके परिवार बँट जाते हैं लेकिन रिश्ते नहीं।

राख

- ✤ जीते हुए लोगों के बीच आपकी हार, राख का ढेर ही है।

राज

- ✤ सोये हुए लोगों पर जगे हुए जल्द ही राज करने लगते हैं।

रुचि

- ✤ जिन्हें आपकी सफलता में रुचि है, वे किसी भी कोने में रहें, आप पर नजर रखते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

ल

लकड़हारा

- ✤ लकड़हारा अपने गट्ठर में एक लकड़ी भी अधिक नहीं जोड़ता, जिसका भार उसे थका दे।

लकीर

- ✤ बड़ा दुःख अपनी लकीर आसमान तक खींच देता है।

लड़ाई

- ✤ लड़ाई में शामिल कायर भी वीर ही कहलाता है।

लेखन

- ✤ लेखक की तन्हाई है—लेखन के लिए विचारों का न मिलना।

लेखक

- ✤ जीवन के अन्धेरों को एक लेखक ही अच्छी तरह से देखता है।
- ✤ एक लेखक के मन के भीतर असंख्य बच्चों के एक साथ खेलने जैसी सक्रियता छुपी होती है।

लेखक की कलम

- ✤ लेखक की कलम गरीबों का हक छीनने के लिए बढ़ रहे पाँवों के लिए हमेशा काँटे बिछाती है।

लोग

- ✤ अच्छे लोग अच्छाई स्थापित करते हैं और बुरे लोग बुराई।

लोभ

✤ लोभ, प्रवेश के लिए आपके हर अंग को टटोलता है।

लिबास

✤ कीमती लिबास में मन दुनिया को एक नयी दृष्टि से देखता है।

लुभाना

✤ बुरे रास्ते आपको अपने फूलों से लुभाते हैं और काँटों से उलझाते हैं।

लालसा

✤ किसी बहुत बड़े सुख को पाने की लालसा, आपके वर्तमान के छोटे सुखों को समाप्त कर देगी।

लाभ

✤ कभी-कभी साधारण लोग भी बड़े लाभ का रास्ता दिखला देते हैं।

लाभ-हानि

✤ शतरंज के खानों की तरह लाभ और हानि भी हमेशा आस-पास ही स्थित होते हैं।
✤ लाभ उद्यमियों की झोली में बड़े प्रेम से गिरता है।
✤ कई बार लाभ बिल्कुल पास होता है, लेकिन उसे लेने के लिए जीवन बचा नहीं होता।
✤ आप से किस तरह लाभ लेना है, एक अत्याचारी को अच्छी तरह से मालूम होता है।
✤ संसार से लाभ लेने के लिए हर दिशा को टटोलना पड़ता है।
✤ जहाँ लाभ बहुत अधिक हो, उसे पाने की होड़ मची रहती है।
✤ समृद्धि निरंतर लाभ देने वाले अनेक स्रोतों से जुड़ी होती है।

लालच

✤ लालच आदमी को हजारों मील दूर स्थित खाई के पास पहुँचा देता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

व

वश

✤ आपके वश में वे नहीं आयेगें जो पहले से ही दूसरों के वश में हैं।

वादा

✤ हस्ताक्षर साथ रहे तो, आदमी के न रहने पर भी उसका वादा आपके पास रह जाता है।

वासना

✤ जब शरीर में वासना भर जाती है तो वह बाहर जाने का सबसे सरल रास्ता ढूँढ़ती है।
✤ रात्रि वासना को ठीक उसी तरह आश्रय देती है जैसे पत्ते ओस को।
✤ कामुक के लिए पैसा तुच्छ होता है, लेकिन वासना बहुत कुछ।
✤ वासना रात्रि में धीरे-धीरे घुलकर विलीन हो जाती है।
✤ तीव्र वासना शांत मन को भी पछाड़ने की ताकत रखती है।

विचार

✤ छोटे विचार भी विद्वानों की जुबान पर चढ़कर बड़े बन जाते हैं।

विकृति

✤ विकृति आने पर हजार जानवरों जितनी छटपटाहट आपके मन में प्रवेश कर जाती है।

विजेता

✤ सबसे कमजोर जगह पर वार करने वाला ही विजेता होता है।

विद्वान

- कोई अचानक अमीर बन सकता है, लेकिन विद्वान नहीं।

विभाजन

- मनुष्यों द्वारा किये गए, किसी भी शासकीय विभाजन को पशु-पक्षी नहीं मानते।
- गरीब-अमीर के आधार पर वर्ग विभाजन हो सकता है, लेकिन सुख-दुख के आधार पर कभी नहीं।
- विभाजन जितना अधिक होगा, चीजें उतनी छोटी होती जाएँगी।
- लोगों के बीच साम्प्रदायिक विभाजन जितना अधिक होगा, देश-प्रेम उतना ही कम होता जायेगा।

विश्वासघात

- धूर्त लोग बेसहारा समय में आपके साथ विश्वासघात करते हैं।

विश्वास

- दूसरों पर अत्यधिक विश्वास करने से मन की गुप्त बातें बाहर आ जाती हैं।

विपक्ष

- आप चाहे कहीं भी जाएँ, विपक्ष वहाँ खड़ा मिलेगा।

व्यवस्था

- गलत व्यवस्था किसी भी बदलाव को स्वीकृति नहीं देती।

विष

- जहाँ सिर्फ विष ही विष हो वहाँ तो साँप भी सुरक्षित नहीं है।

विरोध

- विरोध जैसा भी हो, खरोंच लगाये बिना शांत नहीं होता।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

व्यवस्था

- घर की अधूरी व्यवस्था से सभी को रुकावट होती है।
- प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की व्यवस्था को अपने अनुसार चलाकर लाभान्वित होना चाहता है।

विजय

- विजय की पताका लहराते ही दुश्मन भी आपके अपने हो जाते हैं।

विश्वास

- भूखे पेट उड़ने वाली चिड़िया का मन भी भोजन पाने के विश्वास से भरा होता है।
- सफलता से आपके प्रति लोगों का विश्वास निर्मित होता है और असफलता से टूटता है।
- विश्वास की दीवार, ईंटों की दीवार से कहीं अधिक मजबूत होती है।

वेग

- बिना वेग के श्रम को कभी सराहना नहीं मिलती।

विपक्ष

- विपक्ष अपना क्रोध भीड़ पर नहीं हमेशा उसके नेता पर उतारता है।

व्यसन

- अज्ञानतावश लोग वैसे व्यसन पाल लेते हैं, जिनकी उन्हें सचमुच जरूरत नहीं होती।

विद्या

- विद्या की जड़ों को सींचने पर वह अपने आप फैलने लगती हैं।

विवाद

- चैतन्य पुरुष किसी से विवाद की इच्छा नहीं रखता है।

वृक्ष

✤ वृक्ष छोटी टहनियों को भले गिरने दें, लेकिन बड़ी डालियों को सम्भाले रखते हैं।

विकास

✤ आध्यात्मिक विकास ही स्वयं को सबसे अधिक खुश रख पाता है।

विशेषता

✤ सभी अपने आपको विशेषताओं से भरा हुआ महसूस करते हैं, लेकिन जाँच से कतराते हैं।

विपत्तियाँ

✤ विपत्तियाँ अपने समय के साथ समाप्त हो जाती है, लेकिन आपको निखार कर।

व्यवसाय

✤ व्यवसाय में काम को रोकना पैसे के बहाव को रोकने जैसा है।

विदाई

✤ अच्छे व्यक्ति की विदाई, एक बड़े समूह के लिए सजा तुल्य है।

विजेता

✤ एक नायक युद्ध से अधिक लाशों का ही विजेता होता है।

विकल्प

✤ कम साधन वाले लोग, अधिक विकल्पों के पीछे नहीं भागते।

विद्वत्ता

✤ दो ज्ञानियों की दोस्ती का आधार केवल उनकी विद्वत्ता पर ही टिकी होती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

विश्राम

✤ विश्राम के बाद ही शरीर से तंदुरुस्ती के बीज फूटते हैं।

विरोध

✤ परस्पर विरोध, लकड़ियों का एक दूसरे को जलाते हुए भस्म होने जैसा है।

वेग

✤ किसी के वेग को रोके जाने पर, उसमें अनेक दिशाओं में मुड़ने का चातुर्य आ जाता है।

✤ आगे बढ़ रहे लोगों के वेग में शामिल हो जाने पर आप भी बिना श्रम के काफी दूर तक आगे निकल जाते हैं।

✤ सफलता के उस वेग को अपने भीतर उतारना जरूरी है जो आपको समंदर बना दे।

✤ जिनमें हमेशा ऊपर उठने का वेग बना रहता है, वे कभी नीचे नहीं गिरते।

श

शक

- गले में पट्टा बँधा हो तो, जंगल में घूम रहे पशुओं की आजादी पर भी संदेह होने लगता है।
- शक के पीछे हमेशा आपकी आँख लगी होती है।

श्मशान

- श्मशान के दरवाजे केवल दुखियों का ही आना-जाना देखते हैं।

शरीर

- शरीर में छुपे बचपन, यौवन और बुढ़ापा बारी-बारी से बाहर झाँकते हैं।
- थके हुए शरीर से प्रत्येक चीज थकी हुई उपजती है।
- चीजों की जड़ो तक पहुँचे बिना, हम उनका अधूरा शरीर ही देख पाते हैं।
- शरीर जन्म से मृत्यु तक अनगिनत चीजों को पाने हेतु तड़पता रहता है।
- तकलीफें ऐसी फसल हैं जो बिना प्रयास शरीर से उपजती हैं।

शक्ति

- जो अत्यधिक विरोध में भी आगे बढ़ने की क्षमता रखता है, उसकी शक्ति अतुलनीय है।
- आपदा आने पर अपनी शक्ति का फिर से आकलन करना होता है।
- बड़ी शक्ति स्वयं के सिवा किसी और की आवाज नहीं सुनती।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

शहर

- हर शहर प्राकृतिक सौन्दर्य खोने की भरपाई कृत्रिम सुन्दरता से करना चाहता है।
- जहाँ रोजगार पाने को लोग तरस रहे हों, उस शहर में स्थिरता कहीं भी नहीं होती।

शस्त्र

- शस्त्र केवल हिंसा और भय के लिए ही बने हैं।

शिकायत

- एक सच्ची शिकायत, उससे जुड़े सारे लोगों का नेतृत्व अच्छी तरह से कर लेती है।

शिथिल

- कोई भी वेग शुरू में तेजी से बढ़ता है फिर शिथिल हो जाता है।

शिखर

- सभी सफलताएँ एक शिखर पर जाकर समाप्त हो जाती है।
- शिक्षा आपको ऐसे अनेक कष्टों से छुटकारा दिला देती है, जो पहले आपको परेशान करते थे।
- सभी का भला सोचने वाली शिक्षा में राम और रहीम के बीच कोई फर्क नहीं रहता।
- उस शिक्षा को हासिल करना जरूरी है जो दूसरों के पास मशाल बन कर जल रही है।
- साधारण मूल्य पर प्राप्त हुई शिक्षा भी समय आने पर अपना असाधारण मूल्य वसूलती है।

शिक्षित

- शिक्षित को लोग स्तंभ की तरह देखते हैं और अशिक्षित को अन्जान

की तरह।

शिक्षक

✤ योग्य शिक्षक अंधे विद्यार्थी को भी अपनी आँखे देकर शिक्षित करना चाहता है।

शांति

✤ सामान्य लोगों का जीवन छाया की तरह रुका, लेकिन शांति से भरा होता है।

शासक

✤ कुशल शासक सभी के भीतर मिल-जुलकर काम करने की इच्छा पैदा कर देता है।

शाम

✤ शाम चुप्पी का आरम्भ है और अर्धरात्रि विराम।

शासन

✤ अपनी जमीन पर बाहरी जूतों का शासन आपको नंगा करने लगता है।

शेर

✤ शेर जैसे भूखे का कोई दोस्त नहीं होता।

✤ शेर पिंजरे में भी शेर ही बनकर रहना चाहता है।

शीर्ष

✤ शीर्ष पर बैठे लोग केवल वह काम करते हैं जो उनके लिए बेहद जरूरी हो।

शुरुआत

✤ रस्सी के मुँह को पकड़ने की तरह ही होती है हर काम की शुरुआत।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

शौक

✤ कुछ शौक ऐसे होते हैं जो मनुष्य के तन और मन को दरिद्र बनाकर ही पूरे होते हैं।

✤ लड़ाई का शौक रखने वाले, हारें या जीतें, चुप कभी नहीं बैठते।

स

संकल्प

- किसी एक के द्वारा लिया गया संकल्प हमेशा दूसरों को भी लुभाता है।
- संकल्प का वेग शनै-शनै ऊँचाइयों की ओर आपको बढ़ाता है।

संग्रहालय

- संग्रहालय में रखी तलवारें पूर्व में राजाओं के साथ बिताए उनके सुनहरे दिनों की याद दिलाती है।

संग्रह

- बहुमूल्य चीजों का संग्रह आपको सुरक्षा देता है और उपयोगी चीजों का संग्रह आपको खुशी।

संगत

- बुरी संगत एक गरीब का अमीर से अधिक अहित करती है।
- सामान्यतः बुरे लोगों की संगत से आप बुरे मार्ग को ही देख पाते हैं।

संघर्ष

- एक पिता अपने संघर्ष को सह लेता है, लेकिन बच्चों के संघर्ष को नहीं।
- पेड़ की जड़ों की तरह उत्कृष्ट काम करने वाले अपने संघर्ष को छुपाये रखते हैं।
- विगत जीवन के संघर्षों की छाया आपके आचरण में दिखलायी देगी।
- सफलता हमेशा प्रत्यक्ष दिखलाई देती है, लेकिन संघर्ष हमेशा छुपा रहता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

- जड़ों का संघर्ष कभी दिखलाई नहीं देता।

संतोष

- बूढ़े आदमी के लिए उसका जीवित रहना ही, बहुत बड़ा संतोष है।

संगठन

- चींटियों का सबसे बड़ा हथियार उनका संगठित होकर काम करना है।

संयम

- जो संयम की नाव पर सवार होते हैं, केवल वे ही सफलता तक पहुँच पाते हैं।
- संयमशील की दोस्ती केवल संयम से ही होती है।
- आपका संयम किसी भी अति को रोक सकता है।

संरक्षण

- एक दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति, सामने मौजूद सबसे अच्छे मददगार के संरक्षण में चला जाता है।

संचित

- रुचियाँ बदल जाने के बाद पुरानी संचित चीजें कचरे का ढेर लगने लगती है।

संबंध

- पति-पत्नी का संबंध हर दिन एक नयी तरह की अनुभूति को जन्म देता है।

संसार

- किसी के लिए भी संसार की सीमा वहीं तक है, जहाँ तक उसकी कल्पना उसे छू पाती है।
- संसार को अच्छी तरह से देखने के लिए अपनी एड़ी को हमेशा उँचा रखना पड़ता है।

- संसार ढोने में रुई जैसा लगता है और न ढोने पर पहाड़।
- एक जगह पर खड़े रहने पर संसार छोटा लगता है और बढ़ते जाने पर बहुत बड़ा।
- भौतिकता का संसार छोड़ने पर विरक्ति का संसार सामने होता है।

संतुष्ट

- ज्ञानी को प्राकृतिक सुन्दरता संतुष्ट करती है, अज्ञानी को कृत्रिम।

स्वादहीन

- कच्चा ज्ञान कच्चे फल की तरह ही स्वादहीन होता है।

सुगन्ध

- चन्दन अपने सिर्फ एक गुण- सुगन्ध के कारण जीवन पर्यन्त शीर्ष पर शोभा पाता है।

सहारा

- पर्वतारोही हर बार एक नये पत्थर का सहारा लेकर ही ऊँचाई तक पहुँच पाता है।
- आपके द्वारा पूर्व निर्मित सहारे ही सिर्फ आपका बोझ उठाते हैं।
- जीने के लिए मनपसन्द सहारा चाहिए न कि किसी के द्वारा थोपा हुआ।
- अव्यस्थित जगह में, चारों तरफ सुधार के लिए कुछ न कुछ दिखलायी देगा ही।
- नदी में नाव के सहारे और जीवन में बुद्धि के सहारे कदम रखा जाता है।

सफलता

- अपनी सफलता को सम्भाल कर नहीं रखने पर वह अहंकार बनकर आपको ही सताने लगती है।
- सफलता अब आपको छोड़ चुकी है, यह आपके असफल होते ही समझ में आने लगता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

सुख

- बच्चों को पालने का सुख माता को मिलता है और उनके जीवन को सही ढ़ाँचे में ढालने का सुख पिता को।

सजगता

- शरीर रूपी कठपुतली अति सजगता की डोर से ही अपना खेल दिखला पाती है।

सजावट

- दिवाली की सजावट तभी अच्छी लगती है, जब सभी के परिवार सजे-धजे हों।

समय

- समय कहीं दिखाई नहीं पड़ता, फिर भी उसकी सीमा आपको बाँधे रखती है।
- समय जब आपको सताता है तो बेहद कठोर दिखलायी देता है और जब हँसाता है तो बेहद दयालु।
- खराब समय में आप काँटों से भरे रास्ते में भी प्रवेश कर जाते हैं।
- खराब समय का अंधेरा अंधेपन के समतुल्य होता है।
- जब आप समय के साथ चलते हैं तो स्वयं ही अनुशासित हो जाते हैं।
- बीता हुआ समय धूल की वह परत है, जो हर नयी चीज को पुराना कर देता है।
- हर नया समय बीते हुए समय से तेज दौड़ता है।
- समय कहीं दिखाई नहीं पड़ता, लेकिन उसकी सीमा आपको हमेशा बाँधे रखती है।
- समय के लिए वे सारी चीजें महत्वपूर्ण हैं जो उसे आधुनिक बनाये रखें।
- समय बीत जाने पर उस सुख को हासिल करना भी मुश्किल हो जाता

है, जो पहले आसानी से उपलब्ध था।

- ✤ खोया हुआ समय खोजने पर केवल यादों में ही मिलता है।
- ✤ मूल्यवान चीजें बेचने वालों का समय भी मूल्यवान होता है।

समाज

- ✤ समाज हमेशा सच्चे लोगों की बाढ़ चाहता है।
- ✤ पिछड़े लोगों को साथ लाने के लिए पूरे समाज को मिलकर उन्हें खींचना होगा।
- ✤ गाँव में समाज हर जगह दिखलायी देता है, जबकि शहर में उसे ढूँढ़ना पड़ता है।
- ✤ अपराधियों से भरा समाज घृणित हो जाता है।
- ✤ समाज सभी के साथ रहने से बनता है न कि किसी जाति विशेष से।
- ✤ सभ्य समाज प्रथम शिक्षा भाईचारे की ही देता है।

स्थान

- ✤ पुरानी चीजों से ऊबने का अर्थ है, नयी चीजों ने पुरानी का स्थान ले लिया है।

स्पर्द्धा

- ✤ अधिक लोकप्रिय होने पर आपको अधिक लोगों की स्पर्द्धा भी झेलनी पड़ेगी।

सुरक्षित

- ✤ किसी गोपनीय बात के लिए मन से सुरक्षित कोई दूसरी जगह नहीं है।

साम्प्रदायिकता

- ✤ साम्प्रदायिकता की गोली किसी एक को नहीं, पूरे समाज को घायल कर देती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

सत्ता

- ✤ जब सारे लोग एक जुट हो जायँ तो सत्ता प्रजा के पास आ जाती है न कि राजा के पास।

सम्मान

- ✤ एक कामगार सम्मान पाने के बाद अपनी थकान भूल जाता है।

स्वार्थी

- ✤ एक स्वार्थी के लिए अपनी इच्छाओं का बोझ उठाने के सिवा दूसरा कोई काम नहीं होता है।

स्वाभिमान

- ✤ किसी का उपकार उसी हद तक लेना चाहिए, जिसे लेने के बाद भी आपका स्वाभिमान बना रहे।

सिगरेट

- ✤ सिगरेट का एक सिरा तो खुद जलता है, किन्तु दूसरा शिरा आपको जलाता है।

स्पर्श

- ✤ नंगे पाँव चलने वालों को ही मालूम हो पाता है कि धरती कितने तरह का स्पर्श देती है।

सेवा

- ✤ माला को पिरो देने के बाद सुई कहीं दिखलाई नहीं देती है, कुछ इसी तरह काम करते हैं सच्चे समाज सेवक।
- ✤ अज्ञानियों के हित में कुछ काम करना, मनुष्य का सबसे बड़ा सेवा कार्य है।

समझ

✤ पूरा जीवन जी लेने के बाद भी हम समझ नहीं पाते कि जिसे सोना समझकर ढो रहे थे, दरअसल वो मिट्टी ही थी।

सक्रिय

✤ जीवन की खींच तान लोगों को जबरदस्ती सक्रिय बना देती है।

सपना

✤ जो आगे बढ़ने के सपने देखते हैं, वे उन्हें आसानी से टूटने नहीं देते।

सोच

✤ पैसे कमाकर आप अपना रहन-सहन बदल सकते हैं, सोच नहीं।

साहस

✤ जिसमें पुरातन को त्यागने का साहस हो, वही कुछ नया पा सकेगा।

✤ केवल साहसी व्यक्ति ही उपजे हुए डर का नाश कर पाते हैं, बाकी नहीं।

सजगता

✤ जब तक सजगता है, सुरक्षा भी तभी तक है।

सुन्दरता

✤ सुन्दर स्त्री के प्रत्येक हाव-भाव में सुन्दरता छिपी होती है।

✤ मनुष्यों की उपस्थिति बढ़ जाने पर प्रकृति के लिए अपनी सुन्दरता बचाये रखना कठिन हो जाता है।

✤ प्रत्येक सुन्दरता का कोई एक विशेष हिस्सा ही किसी को अधिक लुभाता है।

✤ तोता सुन्दर व्यक्त्वि के कारण पिंजरे में है और कौआ आजाद।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

साहित्य

✤ उत्कृष्ट साहित्य जादुई लकीरों के सहारे ही निर्मित होता है।

सुधार

✤ बुरे लोगों को सुधर जाने का मौका जिंदगी हर दिन देती है।

साधना

✤ संयम की आधारशिला पर बैठकर ही साधना हो सकती है।

स्थायी प्रेम

✤ शरीर से नहीं बल्कि व्यक्तित्व से किया गया प्रेम अधिक स्थायी होता है।

सत्य

✤ एक सच्चे व्यक्ति में ही केवल सत्य को अच्छी तरह से जानने की इच्छा होती है।

समृद्धि

✤ जल से भरी नदी के आस-पास समृद्धि निवास करती है।

सुन्दर स्थान

✤ सुन्दर जगहों के पास तरह-तरह के रंगों से लहराता हुआ आँचल होता है।

स्वार्थी

✤ स्वार्थी अर्थव्यवस्था भूखों की चिन्ता नहीं करती।

सुई

✤ सुई कपड़ों को धागे से जोड़कर खुद अलग हो जाती है।

✤ सुई के छोटे से पाँव धागे को मीलों खींच ले जाते हैं।

सतर्क/सतर्कता

✤ सतर्क लोगों के कार्य को कम सतर्क लोग समझ नहीं पाते।

✤ जीवन के काँटों को देख पाना, आपकी सतर्कता की निशानी है।

स्पर्द्धा

✤ जब आप सबसे आगे होते हैं तो स्पर्द्धा आपके पीछे-पीछे चल रही होती है।

सेवा

✤ सेवा का मार्ग हमेशा अभावग्रस्त की ओर उन्मुख होता है।

सपने

✤ सपने रोज टूटते रहेंगे लेकिन उनका देखना फिर भी जारी रहेगा।

सलाह

✤ अच्छी सलाह मिल जाए तो भाग्यवान हैं आप।

सच

✤ सच हमेशा वस्त्रहीन होता है।

समृद्धि

✤ समृद्धि के साथ-साथ मन की गरीबी भी बढ़ती रहती है।

सीमा

✤ सीमा में बंधे लोग कभी तेज दौड़ नहीं पाते।

स्वस्थ

✤ केवल स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ संसार में विचरण कर पाता है।

साजिश

✤ एक साजिश अनेक देह को गंदा करते हुए आगे बढ़ती है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

साधन

✤ उपलब्ध साधनों को छूटते देखकर, मन भी टूटने लगता है।

सूरज

✤ सूरज की सबसे पहली किरण पक्षियों की उड़ान को नसीब होती है।

साधना

✤ कड़ी साधना से उत्कृष्ट ज्ञान को मन में समाने का रास्ता मिलता है।

✤ साधना का अर्थ है—अपने काम में लीन हो जाना।

स्वाद

✤ मनुष्य चतुर है क्योंकि वह मन और जीभ दोनों से अत्यधिक स्वाद चखता है।

सम्पदा

✤ अपार सम्पदा वाले लोग सोचते हैं, वे उँचाई पर जीते हैं और दूसरे जमीन पर।

सुरक्षा

✤ धन की सुरक्षा तिजोरी भी कर लेती हे, तन की सुरक्षा स्वयं करनी पड़ती है।

समाज

✤ गंदे और नये कपड़े जितना फर्क हमेशा दिखलाई देता है समाज में।

सपना

✤ युवा सपने जब खत्म होते हैं तो बूढ़े सपने आपकी नींद में आने लगते हैं।

सत्य

✤ सत्य सुनने के लिए हमेशा साफ मन चाहिए।

संबंध

✤ अपना हक माँगते ही अपनों से संबंध खराब होने लगता है।

सुख

✤ सभी को हर चीज में ताजेपन का सुख चाहिए।

समृद्धि

✤ समृद्धि के पीछे-पीछे परेशानी भी चलती है।

सक्षम

✤ सक्षम लोग अपनी पतंग को सबसे ऊँचाई पर रखते हैं।

सपना

✤ चहारदीवारी में बंद सपने अधिक दिनों तक जीवित नहीं रह पाते।

संतुष्ट

✤ संतुष्टों को प्रगति की आँधी नहीं, एक शांत व्यवस्था चाहिए।

स्वाद

✤ नदी का पानी कितने ही तटों का स्वाद चखता हुआ आगे बढ़ता है।

सीमा

✤ मजबूरी में खतरे को झेलने की कोई सीमा नहीं होती।

सपना

✤ सबसे तेज दौड़ने का सपना देखने वाला, धरती को छोटा कर देना चाहता है।

सौदा

✤ गुप्त सौदों में शरीर मेज के सामने होता है, लेकिन हाथ किसी गुप्त स्थान पर।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

सफलता

✤ कच्चे हाथ, कच्चे फल की तरह सफलता से अभी कोसों दूर होते हैं।

✤ सफलता का विस्तार हमेशा गहराई की ओर होता है।

✤ शांतिपूर्वक चल रहा प्रत्येक कार्य, सचमुच सफलता की ओर बढ़ रहा होता है।

सुख

✤ जीवन से मिलने वाला सुख जल्द ही खाली बाल्टी की तरह पुनः उसी कुएँ में प्रवेश कर जाता है।

साथी

✤ अच्छा साथी आपके थके पाँव भी आगे ले जाता है।

सवाल

✤ छोटे-छोटे सवाल भी गहरे होने पर बड़े बन जाते हैं।

स्रोत

✤ अधिक चमकदार स्रोत मिलने पर, पुराने बुझा दिये जाते हैं।

सेवक

✤ एक सच्चा समाज सेवक कुएँ की बाल्टी की तरह लोगों के लिए काम करता है।

सादगी

✤ सरल व्यक्तित्व के साथ केवल सादगी ही जुड़ पाती है।

संगठन

✤ अगर संगठन मजबूत हो तो एक की चोट को दूसरा बर्दास्त कर लेता है।

सँपेरा

✤ सँपेरा साँप को कभी मारता नहीं बल्कि हर दिन उसकी कीमत

वसूलता है।

साँप

✤ इच्छाएँ साँप के सिर की तरह आगे-आगे चलती हैं और शरीर उसके पीछे-पीछे।

सम्पर्क

✤ हर नया सम्पर्क थोड़ा सा नयापन जरूर देता है।

साँस

✤ अत्यधिक प्रताड़ना में आपकी साँस समुद्र की लहरों की तरह पछाड़ खाने लगती है।

सौन्दर्य

✤ बांसुरी की धुन की तरह यौवन का सौन्दर्य भी बजता है।
✤ कमल की सुन्दरता कीचड़ में भी सौन्दर्य भर देती है।
✤ पेड़ के सौन्दर्य का प्रवाह उसके फूल और फल में दिखलाई पड़ता है।

सीढ़ी

✤ सीढ़ी मजबूत हो तो आसमान तक आपको उठा सकती है।

सजा

✤ मन के पराजित होते ही उसे दुखः झेलने की सजा मिलनी शुरू हो जाती है।
✤ पशुओं को सताने की सजा शून्य है।
✤ सजा से केवल आपराधिक प्रवृत्ति का नाश होना चाहिए न कि स्वयं अपराधी का।

सहारा

✤ जब समय से भी सहारा न ले पाये तब आदमी बेसहारा हो जाता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

✤ अब-तब गिरने वाली दीवार, दूसरों को सहारा देने के बजाए खुद ही सहारा ढूँढ़ती है।

साथ

✤ चाहे दो पल का साथ क्यों न हो, साथ देने वाले हमेशा अच्छे लगते हैं।
✤ हवा का वेग साथ दे तो मामूली धूल भी आकाश को ढक देती है।

सैनिक

✤ लड़ रहे सैनिकों की मित्रता वैसी ही होती है जैसी बारिश में असंख्य बूँदों की।

सजगता

✤ सजगता जीभ को ही नहीं पूरे संसार को सम्भाले रखती है।

स्त्री

✤ प्रत्येक स्त्री प्यार और देख-भाल दोनों चाहती है।

समस्या

✤ कभी-कभी समस्या एक पल में इतनी बड़ी हो जाती है, जैसे एक सूराख से नाव में पानी भर गया हो।
✤ समस्या से कोई नहीं बच पाता, यह सभी के इर्द-गिर्द छाया की तरह घूमती रहती है।
✤ समस्या तब उभरती है जब सभी एक ही थाली से भोजन छीनना चाहते हैं।
✤ अनसुलझी समस्या में रात का रुक जाना दिखता है।

स्वार्थ

✤ स्वार्थमय प्रेम, जमीन पर पड़े जल की तरह धीरे-धीरे सूखने लगता है।
✤ एक अच्छे व्यक्ति के पाँव भी स्वार्थ के दल दल में थोड़े से जरूर फँसे होते हैं।

ह

हक

- इस दुनिया में अत्यधिक हक चाहने वाले हमेशा दुखी रहते हैं।
- हक छीनने की तीव्रता हमेशा आपको पीछे धकेलने की कोशिश करती है।

हिंसा

- कुछ त्योहार मनुष्यों के लिए खुशियाँ लाते हैं, लेकिन वही पशुओं के लिए हिंसा की बाढ़।

हार

- हार को चिन्ता की तरह नहीं बल्कि चेतावनी की तरह लेना चाहिए।
- हार के पीछे भय का संसार चलता है।

हार-जीत

- शतरंज की बिसात जैसी छोटी सी जगह में भी हार-जीत का फैसला हो जाता है।

हुनर

- हुनर का बल धीरे-धीरे धन-सम्पदा के बल में बदल जाता है।
- लोगों को चमत्कृत करने के लिए अपने हुनर को समय से बहुत आगे ले जाना होता है।

हुनरमंद

- हुनरमंद बच्चे जल्दी ही अनाथालय की शरण छोड़ देते हैं।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

हथियार

- आक्रोशित हाथों में छड़ी भी बड़ा हथियार बन जाती है।

हिम्मत

- सच्ची हिम्मत बार-बार गिर कर भी उठ जाती है।

होशियार

- होशियार व्यक्ति धूप में भी चलते हैं तो छाया को अपने करीब रखकर ही।
- होशियार लोग अंधेरे में भी अपने पाँव जमा लेते हैं।

हिस्सा

- जीवन में जिस तरह आधा हिस्सा रात का होता है, उसी तरह आधा हिस्सा दुख का।

हाथी

- हाथी का प्रेमपूर्वक पाँव रखना भी एक आफत ही है।

हाथ

- किसी का एक हाथ टूट जाय तो शरीर दूसरे हाथ की ताकत दुगना कर लेता है।
- कुछ हाथ इतने अच्छे होते हैं जो आपके हाथ थाम कर मुसीबत से बाहर निकाल देते हैं।

हृदय

- हृदय, प्रेम के अतिरिक्त किसी भी अस्त्र के समाने नहीं झुकता।

हीरे

- एक छोटे से हीरे का बोझ भी इतना भारी होता है कि आँखों की निगरानी थक जाती है।

हस्ताक्षर

✤ हस्ताक्षर करना सीख लेने के बाद, अब आप अपने हक के लिए लड़ सकते हैं।

हिम्मत

✤ साहसी व्यक्ति की आगे बढ़ने की हिम्मत सुरंग से भी लम्बी होती है।

हस्तक्षेप

✤ अनावश्यक हस्तक्षेप पानी पर कुदाल मारने जैसा ही होता है।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

क्ष

क्षय

✤ शरीर का क्षय इतना धीमा होता है कि आप समझ ही नहीं पाते हैं कि किस अंग का इलाज करें।

क्षमता

✤ मन से वैसी चाहत नष्ट हो जाती है, जो आपकी शारीरिक क्षमता के प्रतिकूल है।

ज्ञ

ज्ञान

- ज्ञान का प्रकाश मस्तिष्क में बन्द हो सकता है लेकिन किसी की मुट्ठी में नहीं।
- ज्ञान उसी की गोद में होता है, जो उससे प्यार करते हैं।
- ज्ञानी का ज्ञान ओस की बूँदों की तरह ही धीरे-धीरे ही टपकता है।
- ज्ञान ऐसा होना चाहिए जो अंधेरे में स्वयं प्रकाशित हो जाए।

ज्ञानी

- ज्ञानी हमेशा खतरों से दूरी बनाकर चलते हैं जबकि अज्ञानी उन्हें समझ ही नहीं पाते।
- आपकी रचनाएँ कोई ज्ञानी पढ़े तो आपको अधिक संतुष्टि मिलती है।
- सभ्यता में नवीनता लाने का प्रयास उस काल के श्रेष्ठ ज्ञानी ही कर पाते हैं।
- ज्ञानी समस्या पैदा करने वाले लुभावने बाजार से कुछ भी नहीं खरीदते।

E:\Sansthan\Sukti Sagar part-3.pm6.5
IInd Proof / 16-01-2016

श्र

श्रम

- गरीबों का श्रम सभी देखते हैं, उनका मन कोई नहीं।
- श्रम को प्यार से हासिल करना सुन्दरता है और लूटना बर्बरता।
- श्रम से जब तक लाभ नहीं टपका तब, तक वह व्यर्थ ही है।
- गरीब झोंपड़ी में रहता है किन्तु उसका श्रम महलों में।
- मधु चखते वक्त मधुमक्खियों का श्रम कभी याद नहीं किया जाता।
- श्रम जब चारों ओर से पकता है तभी स्वाद ला पाता है।

श्रमिक

- श्रमिकों को श्रम से अपनी जीविका चलाने पर अधिक विश्वास होता है, न कि शिक्षा से।

श्रेष्ठता

- श्रेष्ठता की मौजूदगी को समझते किसी को अधिक देर नहीं लगती।

श्रेष्ठ

- श्रेष्ठ प्रतिफल हमेशा, श्रेष्ठ श्रम की माँग भी करता है।

●●●